सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" रिश्ते कुछ कह गए, कुछ सह गए कुछ कहते-कहते रह गए
" मैं सही " और " तुम " गलत साबित करने के पीछे
ना जाने कितने रिश्ते बह गए ...!!

अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–221 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, रविवार 30 अगस्त 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

भिलाई में अन्य पिछड़ा वर्ग आरक्षण बढ़ेगा, बदलेगा चुनावी गणित

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर निगम चुनाव से पहले वार्ड आरक्षण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस बार OBC के लिए आरक्षित वार्डों की संख्या 15 से बढ़कर 23 होने जा रही है। OBC आबादी 32 प्रतिशत पाए जाने पर यह बदलाव हो रहा है। महापौर पद पहले ही OBC के लिए आरक्षित हो चुका है। जिला प्रशासन ने निगम से वार्डों की जानकारी मंगा ली है। 15 सितंबर तक आरक्षण प्रक्रिया पूरी होने की उम्मीद है।

SC-ST आरक्षण पर सवाल

25 से अधिक पार्षदों और RTI कार्यकर्ता अली हुसैन सिद्दीकी ने कलेक्टर से शिकायत की है कि 2011 के बाद जनगणना और परिसीमन नहीं हुआ, ऐसे में SC-ST आरक्षित वार्ड बदलना नियमानुसार नहीं है।

आरक्षण की नई तस्वीर

कुल 70 वार्डों में नई व्यवस्था इस प्रकार प्रस्तावित है

- अनारक्षितः 35 (24 सामान्य, 11 महिला)
- OBC: 23 (15 मुक्त, 8 महिला)
- SC: 9 (6 मुक्त, 3 महिला)
- ST: 3 (2 मुक्त, 1 महिला)

कई वार्डों की श्रेणी बदलेगी

प्रस्तावित सूची में सेक्टर-4 पश्चिम वार्ड-58 (वर्तमान ST महिला), सेक्टर-3 वार्ड-52 (OBC), जुनवानी वार्ड-1 (सामान्य से SC), नेहरू नगर वार्ड-4, कोसानगर वार्ड-5, प्रियदर्शिनी परिसर वार्ड-6 और 10, राजीव नगर वार्ड-1 सहित कई वार्डों की श्रेणी बदलने की चर्चा है।

भिलाई निगम वार्ड आरक्षण पर आपत्ति, कलेक्टर से शिकायत

नगर पालिक निगम भिलाई के वार्ड आरक्षण को लेकर विवाद शुरू हो गया है। आरटीआई कार्यकर्ता अली हुसैन सिद्दीकी ने कलेक्टर दुर्ग को पत्र सौंपकर आपत्ति दर्ज कराई है। पत्र में कहा गया है कि निगम में वार्ड आरक्षण की तैयारी शुरू हो गई है। आरोप है कि भाजपा नेताओं के दबाव में एससी-एसटी वर्ग के आरक्षित वार्डों को बदलने की तैयारी की जा रही है।

सिद्दीकी ने तर्क दिया कि 2011 के बाद जनगणना नहीं हुई है और इस बार वार्डों का परिसीमन भी नहीं हुआ, इसलिए नियमानुसार एससी-एसटी आरक्षित वार्डों में बदलाव नहीं किया जा सकता। ओबीसी और महिला आरक्षण रोटेशन पद्धति से होना चाहिए। उन्होंने मांग की कि उनकी शंकाओं को ध्यान में रखकर आरक्षण प्रक्रिया की जाए, अन्यथा वे न्यायालय की शरण लेंगे।

बिलासपुर में दो पक्षों में जमकर बवाल, 100 से अधिक पर हत्या के प्रयास और दंगे का केस दर्ज

नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर

शहर के खपरगंज में पुरानी रंजिश में दो युवकों के विवाद के बाद जमकर पथराव और हंगामा हुआ। पुलिस ने दोनों पक्षों की रिपोर्ट पर 100 से अधिक लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास, दंगा और तोड़फोड़ की धाराओं में FIR दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

सिटी कोतवाली में यदुनंदन नगर निवासी अक्षय सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 28 अगस्त की रात वह राखी बंधवाकर खपरगंज से जा रहा था। पुरानी रंजिश में खपरगंज निवासी सोहेल खान ने कमेंट किया, विवाद बढ़ा और सोहेल ने उसके दोस्त पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। अक्षय ने हिंदू संगठन के राम सिंह को फोन किया, जिसके बाद दोनों पक्षों के बड़ी संख्या में युवक आमने-सामने आ गए और ईंट-पत्थर चलने लगे।

पुलिस ने अक्षय की रिपोर्ट पर सोहेल खान, सोनू उर्फ सोल्ड, मौला, राजा सहित 50-60 लोगों पर इठर धारा 109, 115, 190, 191, 192 के तहत केस दर्ज किया। वहीं दूसरे पक्ष के शेख सुल्तान की रिपोर्ट पर राम सिंह, अक्षय सिंह, छत्रपाल सहित 50-60 लोगों पर धारा 109, 324 सहित अन्य धाराओं में जुर्म दर्ज हुआ। वासु नामदेव और छत्रपाल साहू गिरफ्तार किए गए हैं, CCTV फुटेज से अन्य की तलाश जारी है। बवाल में 6 कार, 1 ई-रिक्शा, 2 बाइक सहित 8 वाहनों में तोड़फोड़, दुकानों और घरों के कांच तोड़े गए। हालात को देखते हुए रायपुर, रायगढ़, जांजगीर, कोरबा, सकरी, मुंगेली से 300 से अधिक अतिरिक्त बल बुलाया गया। पूरा इलाका पुलिस छावनी बना रहा।

आईजी रामगोपाल गर्ग और संभागायुक्त सुनील जैन ने पैदल मार्च कर लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की और कहा कि कानून हाथ में लेने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी।

घड़ी चौक-गदा चौक फ्लाईओवर का विरोध व्यापारियों ने सांसद बघेल का किया सम्मान

सांसद विजय बघेल ने कहा नहीं बनेगा फ्लाईओवर

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सुपेला घड़ी चौक से गदा चौक तक प्रस्तावित फ्लाईओवर निर्माण रोकने पर गणेश मार्केट और होलसेल मार्केट के व्यापारियों ने सांसद विजय बघेल का सम्मान किया। व्यापारियों ने बताया कि वे फ्लाईओवर के विरोध में कलेक्टर, निगम आयुक्त और विधायक से मिले थे, समाधान न मिलने पर सांसद बघेल से मिले। सांसद के निर्देश पर मिट्टी परीक्षण का काम बंद हुआ और खोदे गए गड्ढे पाटे गए।

सम्मान समारोह में सांसद बघेल ने कहा कि "यह सम्मान मेरा नहीं, सभी व्यापारियों की एकता का सम्मान है। संगठन में बड़ी ताकत है। सस्ती लोकप्रियता के लिए कुछ भी करना गलत है।" उन्होंने कहा कि इस मार्ग पर फ्लाईओवर की जरूरत नहीं है और राशि का उपयोग जनता से चर्चा कर अन्य विकास कार्यों में किया जाएगा।

नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा ने कहा कि यह चौड़ी सड़क है, फ्लाईओवर से व्यापारियों के रोजगार और गुरुद्वारा-मस्जिद की आस्था प्रभावित होगी। भाजपा जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन और व्यापारी एसके अग्रवाल ने भी विरोध जताया।

इस दौरान होजरी मार्केट, लक्ष्मी मार्केट, गुरुद्वारा और मस्जिद कमेटी के सदस्य, चेंबर ऑफ कॉमर्स के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

जेएलएन की एडवांस बर्न यूनिट बनी उम्मीद की किरण, 65 प्रतिशत जली महिला को मिला नया जीवन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र के जेएलएन चिकित्सालय की एडवांस बर्न यूनिट गंभीर रूप से झुलसे मरीजों के लिए वरदान साबित हो रही है। हाल ही में बालोद की 65 प्रतिशत तक जली महिला का सफल उपचार कर उसे नया जीवन दिया गया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. उदय कुमार ने बताया कि अमेरिकन बर्न संगठन के अनुसार 40 प्रतिशत से अधिक जलना अत्यंत गंभीर श्रेणी में आता है और जीवन पर खतरा रहता है। सेक्टर-9 अस्पताल की बर्न यूनिट ने गहन चिकित्सा, संक्रमण रोकथाम और समुचित पोषण प्रबंधन से मरीज को स्वस्थ किया। प्लास्टिक सर्जन एवं स्किन बैंक प्रभारी डॉ. अनिरुद्ध मेने ने बताया कि उपचार में स्किन बैंक की त्वचा का उपयोग किया गया, जिसने जले हिस्से को ढकने और संक्रमण रोकने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने लोगों से स्किन डोनेशन की अपील की।

डिस्चार्ज के बाद मरीज ने चिकित्सकों के सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार को अविस्मरणीय बताया। परिजनों ने बीएसपी और अस्पताल प्रबंधन का आभार जताया। उपचार में एनेस्थीसिया, पैथोलॉजी, रेडियोलॉजी सहित अन्य विभागों का समन्वित सहयोग रहा।

भिलाई में प्रमुख चौक-चौराहों पर बनेगा लेफ्ट फ्री, यातायात होगा सुगम

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर लेफ्ट फ्री व्यवस्था बनाने जा रहा है, ताकि यातायात सुचारू हो और जाम की समस्या कम हो। निगम ने बढ़ते ट्रैफिक को देखते हुए ऐसे स्थान चिन्हित किए हैं जहां वाहनों के दबाव से आवागमन प्रभावित होता है। केंद्र सरकार की 15वें वित्त आयोग के 'नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम' के तहत यह कार्य कराया जा रहा है। लेफ्ट फ्री होने से बाएं या सीधे जाने वाले वाहनों को अनावश्यक रुकना नहीं पड़ेगा, कतार कम होगी और दबाव नियंत्रित रहेगा।

आयुक्त ने अधिकारियों को व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं और नागरिकों से यातायात नियमों का पालन करने, निर्धारित स्थान पर पार्किंग करने की अपील की है।

बीजापुर के जंगल में बड़ा नक्सल भंडाफोड़ लांचर और जिंदा कारतूसों का जखीरा जब्त

नई दृष्टिबिंदु / बीजापुर

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान पुलिस और डीआरजी की संयुक्त टीम को बड़ी सफलता मिली है। थाना बासागुड़ा और डीआरजी की टीम ने ग्राम पेगड़ापल्ली के जंगल क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए एक संदिग्ध व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री और 50,050 रुपये नकद बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, अभियान के दौरान संदिग्ध गतिविधियों की सूचना के आधार पर संयुक्त टीम ने ग्राम पेगड़ापल्ली के जंगल क्षेत्र में घेराबंदी की। इस दौरान बोगम लखमू (39) निवासी चिन्नागेलूर, थाना तर्रेम को पकड़ा गया।

पूछताछ में आरोपी ने प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) संगठन के चिन्नागेलूर DAKMS सदस्य के रूप में काम करने और नक्सलियों की सामग्री व विस्फोटक को छिपाने के लिए ले जाने की बात स्वीकार की। इसके बाद पुलिस टीम ने उसकी निशानदेही और तलाशी के आधार पर विभिन्न आपत्तिजनक सामग्री बरामद की। पुलिस के मुताबिक, बरामद सामान में 01 BGL लांचर, 18 BGL सेल, 12 तीर बम, 01 हैंड ग्रेनेड, .303 के 15 जिंदा राउंड, 31 BGL कार्ट्रिज, INSAS की 01 खाली मैगजीन, बिजली वायर, 03 राउंड चार्जर और 01 ईमीटर लीड शामिल हैं। इसके अलावा आरोपी के कब्जे से 50,050 रुपये नकद भी मिले।

बरामद विस्फोटक एवं अन्य सामग्री को पुलिस ने विधिवत जब्त कर सीलबंद किया और पंचनामा तैयार किया। आरोपी के खिलाफ विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई की गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद न्यायिक रिमांड पर न्यायालय के समक्ष पेश किया है। सुरक्षा बलों द्वारा क्षेत्र में नक्सल गतिविधियों और संदिग्ध ठिकानों की तलाश को लेकर अभियान जारी है।

नगरीय निकाय चुनाव को लेकर भाजपा भिलाई की कल अहम बैठक

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

आगामी नगर पालिक निगम भिलाई के नगरीय निकाय चुनाव की तैयारी को लेकर भाजपा जिला भिलाई की महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक कल 30 अगस्त रविवार को दोपहर 12 बजे जिला कार्यालय प्रियदर्शनी परिसर सुपेला में होगी। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन करेंगे। बैठक में जिला प्रभारी रामजी भारती, निकाय चुनाव प्रभारी भूपेंद्र सवन्नी, सह प्रभारी लक्ष्मी वर्मा और चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी प्रमुख रूप से उपस्थित रहेंगे।

बैठक में चुनावी तैयारियों, संगठनात्मक मजबूती, बूथ स्तर तक कार्यकताओं की सक्रियता और चुनावी रणनीति पर चर्चा होगी। प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने के लिए विभिन्न स्तरों पर दायित्वों का समन्वय किया जाएगा। बैठक में राष्ट्रीय पदाधिकारी, प्रदेश पदाधिकारी, सांसद, पूर्व सांसद, विधायक, पूर्व विधायक, निगम-मंडल अध्यक्ष, जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, महामंत्री सहित सभी प्रत्याशी और पार्षदों को उपस्थित रहने का आग्रह किया गया है।

छत्तीसगढ़ युवा कांग्रेस चुनाव आज से शुरू, 10 लाख सदस्य करेंगे मतदान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

लंबे इंतजार के बाद छत्तीसगढ़ युवा कांग्रेस के संगठनात्मक चुनाव की तस्वीर साफ हो गई है। प्रदेश में चुनाव प्रक्रिया आज 30 अगस्त से शुरू हो रही है, जो 29 सितंबर शाम 5 बजे तक चलेगी। चुनाव पूरी तरह ऑनलाइन माध्यम से होगा। तारीख घोषित होते ही दावेदारों और समर्थकों में सक्रियता बढ़ गई है।

प्रदेश में 10 लाख से अधिक वैध युवा सदस्य मतदान करेंगे। सबसे खास बात यह है कि प्रत्येक सदस्य को 6 पदों के लिए वोट डालना होगा। इनमें प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश महासचिव, जिला अध्यक्ष, जिला महासचिव, विधानसभा अध्यक्ष और ब्लॉक अध्यक्ष पद शामिल हैं।

पहली बार ब्लॉक अध्यक्ष का प्रत्यक्ष चुनाव: संगठन ने इस बार बड़ा बदलाव किया है। अब ब्लॉक अध्यक्ष का चुनाव भी प्रत्यक्ष मतदान से होगा। पहले ब्लॉक स्तर पर मनोनयन होता था। इस फैसले से चुनावी प्रतिस्पर्धा बूथ स्तर तक पहुंच गई है और केवल बड़े नेताओं का समर्थन काफी नहीं होगा, जमीनी पकड़ भी दिखानी होगी।

प्रदेश अध्यक्ष के लिए 17 दावेदार: प्रदेश अध्यक्ष की दौड़ दिलचस्प है। 17 दावेदार मैदान में हैं। प्रमुख नामों में शैलेंद्र बंजारे, सत्येंद्र चेलक, विनयशील, प्रशांत बोकड़े, जसमीत शर्मा, लोकेश वशिष्ठ, सोनू शर्मा, निखिलकांत साहू, हनी बग्गा और सजल चंद्राकर शामिल हैं। यह चुनाव कांग्रेस के भीतर गुटों की ताकत का परीक्षण भी माना जा रहा है।

जन समर्पण सेवा संस्था ने राखी में खुशियों की मिठास जरूरतमंदों को राखी मिष्ठान का वितरण

फुटपाथ बस स्टैंड रेलवे स्टेशन जैसे क्षेत्रों में जाकर जरूरतमंद बच्चों और परिवारों के साथ त्योहार की खुशियाँ साझा की

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जन समर्पण सेवा संस्था के युवाओं ने जरूरतमंदों के साथ मनाई राखी, बांटे उपहार खिलाई मिठाई जन समर्पण सेवा संस्था दुर्ग जो कि पूरे जिले में सेवा के कार्य में अग्रणी संस्था बन गई है यह संस्था विगत 9 वर्ष 8 माह से बिना रुके बिना किसी दिन नागा किए हर जरूरतमंदों तक निःशुल्क भोजन वितरण का कार्य कर रही है, यह संस्था पूरे वर्ष भर में आने वाले सभी पर्व त्यौहार को भी जरूरतमंदों के साथ बनाती है, हर वर्ष दिवाली में नया कपड़ा फटका, होली में रंग गुलाल का वितरण करके हर जरूरतमंद को हर पर्व त्यौहार को खुशी के साथ बनाने की हर सामग्री निःशुल्क वितरण करती है,

संस्था के अंकेश पेशवानी ने बताया कि संस्था अपनी परम्परा को आगे बढ़ाते हुए संस्था ने भाई बहन के सबसे पवित्र एवं अटूट रिश्ते के पर्व राखी में भी सेवा कार्य किया, संस्था के सदस्यों ने इस वर्ष रक्षाबंधन का पर्व अनोखे और प्रेरणादायक अंदाज में मनाया। फुटपाथ बस स्टैंड रेलवे स्टेशन जैसे क्षेत्रों में जाकर जरूरतमंद बच्चों और परिवारों के साथ त्योहार की खुशियाँ साझा की गई। इस अवसर पर संस्था के सदस्यों ने बच्चों को राखियाँ बांधीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। त्योहार की मिठास को बढ़ाने के लिए सभी के बीच मिठाइयाँ और उपहार भी वितरित किए गए।

संस्था के अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा बंटी ने कहा, "सच्चा त्योहार वही है जो किसी के चेहरे पर मुस्कान ला सके। हमारा उद्देश्य समाज के हर वर्ग को इस उत्सव की मुख्यधारा से जोड़ना था साथ ही साथ समाज के निराश्रित एवं अंतिम पंक्ति के हर व्यक्ति को भी वह सुख सुविधाएँ पहुंचाना है, जिनसे अभी तक वह अछूता रहा है।

संस्था के सदस्यों ने देखा एवं मीडिया चैनल के माध्यम से जानकारी मिली कि कुछ स्थान पर ऐसे भी जरूरतमंद बच्चे है जो भाई बहन है और फुटपाथ में जीवन यापन कर रहे है उनके पास राखी के लिए पैसे नहीं है न वो राखी खरीद सकते न मिष्ठान ले सकते, सभी युवाओं ने उन सभी जरूरतमंदों तक पहुंचने का प्रयास किया और ऐसे जरुरतमंदों को राखी मिष्ठान एवं उपहार स्वरूप चॉकलेट नमकीन का वितरण किया, संस्था के इस कार्य की पूरे शहर में प्रशंसा होती रही सभी ने इस कार्य को लेकर संस्था की पहल का स्वागत किया

इस सेवा कार्य में संस्था के राजेन्द्र ताम्रकार सुजल शर्मा अख्तर खान अंश पाण्डेय अनस खान मृदुल गुप्ता हरीश ढीमर शुभम सेन रूपल गुप्ता अर्जित शुक्ला आशीष मेश्राम प्रकाश कश्यप दद्दू ढीमर संजय सेन सार्थक शर्मा सचिन कुमार एवं अन्य सदस्य सेवा दिए।

खास खबर

सेवानिवृत्त कर्मचारियों को समय पर मिले पेंशन व सेवा लाभ : भानु प्रताप यादव

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ जिला दुर्ग ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पेंशन, अवकाश नगदीकरण, ग्रेच्युटी, समूह बीमा सहित सभी सेवा लाभ समय पर देने की मांग की है। जिलाध्यक्ष भानु प्रताप यादव ने कहा कि सेवानिवृत्ति पर कर्मचारियों से नो डिमांड प्रमाण-पत्र, विभागीय जांच रिपोर्ट जैसे अभिलेख मांगे जाते हैं, जबकि इन्हें प्राप्त करने की जिम्मेदारी विभाग और कार्यालय प्रमुख की होनी चाहिए। कर्मचारी विभिन्न कार्यालयों में पदस्थ रहते हैं, पुराने अभिलेखों के लिए चक्कर लगाने से लाभ में विलंब होता है। संघ ने मांग की है कि पदोन्नति के लिए गोपनीय चरित्रावली और सेवा अभिलेख समय पर मंगाए जाएं ताकि प्रकरण लंबित न हों। शासन सभी विभाग प्रमुखों को निर्देश दे कि सेवानिवृत्ति प्रकरण की कार्यवाही पहले से शुरू कर समय-सीमा में पूरी की जाए।

विधायक ललित चंद्राकर ने वार्ड-14 और 15 में विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

रिसाली। दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 14 बम भोला चौक मरोदा एवं वार्ड क्रमांक 15 मौहरी मरोदा में रविवार को 90 लाख से अधिक की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया। दुर्ग ग्रामीण विधायक एवं छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष (कैबिनेट मंत्री दर्जा) ललित चंद्राकर ने विधिवत पूजा-अर्चना कर निर्माण कार्यों का शुभारंभ किया।

वार्ड क्रमांक 14 बम भोला चौक मरोदा में ?51 लाख से अधिक तथा वार्ड क्रमांक 15 मौहरी मरोदा में ?39.25 लाख से अधिक की लागत से सड़क निर्माण, नाली निर्माण, सामुदायिक सुविधा सहित नागरिक हित से जुड़े विभिन्न कार्य कराए जाएंगे। इन विकास कार्यों के पूरा होने से दोनों वार्डों में आवागमन बेहतर होने के साथ ही स्वच्छता एवं मूलभूत नागरिक सुविधाओं में सुधार की उम्मीद है। भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि सुशासन की सरकार में विकास कार्यों को लगातार गति दी जा रही है। सरकार की प्राथमिकता है कि क्षेत्र के अंतिम व्यक्ति तक सड़क, पानी, नाली, बिजली सहित आवश्यक मूलभूत सुविधाएं पहुंचें। उन्होंने कहा कि बम भोला चौक और मौहरी मरोदा में शुरू किए जा रहे विकास कार्य क्षेत्रवासियों के लिए सुविधाजनक जीवन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ विकास की नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है। जनहित, जनसुविधा और जनकल्याण को केंद्र में रखकर दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र को विकास के क्षेत्र में आदर्श विधानसभा बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार और जनता की सहभागिता से ही क्षेत्र का समग्र विकास संभव है। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष राजू राकेश जंघेल, रिसली मंडल अध्यक्ष अनुपम साहू, महामंत्री पुनाराम कलिहारी एवं नरेंद्र निर्मलकर, जिला मंत्री शैलेंद्र शेंडे, महिला मोर्चा अध्यक्ष शिखा तिवारी, नेता प्रतिपक्ष शैलेंद्र साहू, पार्षद विधि यादव, युवा मोर्चा अध्यक्ष मनोज साहू सहित पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

ब्रह्माकुमारी बहनों ने विभिन्न स्थानों पर बांधा रक्षा सूत्र, दिया परमात्म का संदेश

रक्षाबंधन पर बंधी प्रेम की डोर, पवित्रता और नशामुक्ति का दिलाया संकल्प

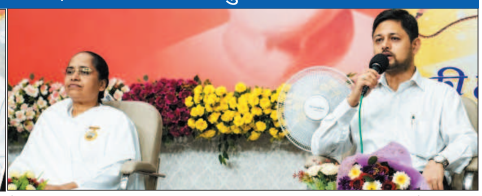

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

रक्षाबंधन केवल कलाई पर रक्षा सूत्र बांधने का पर्व नहीं, बल्कि स्वयं को बुराइयों से मुक्त कर मन, वाणी और कर्म में पवित्रता धारण करने का संकल्प लेने का पावन अवसर है। इसी आध्यात्मिक संदेश के साथ प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, दुर्ग द्वारा आनंद सरोवर बघेरा, राजऋषि भवन केलाबाड़ी सहित शहर के विभिन्न स्थानों पर रक्षाबंधन पर्व मनाया गया।

आनंद सरोवर बघेरा में आयोजित स्नेह मिलन में जिलाधीश अभिजीत सिंह सपरिवार सहित शहर के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। वहीं राजऋषि भवन केलाबाड़ी में दुर्ग शहर एवं ग्रामीण अंचलों से आए भाई-बहनों को ब्रह्माकुमारी रीटा दीदी एवं रुपाली दीदी ने रक्षा सूत्र बांधकर परमात्म संदेश दिया। ब्रह्माकुमारीज दुर्ग की संचालिका रीटा दीदी ने कहा कि रक्षाबंधन हमें निराकार परमपिता परमात्मा शिव से यह प्रतिज्ञा करने की प्रेरणा देता है कि हम अपने जीवन में पवित्रता को अपनाएंगे। पवित्रता सुख और शांति की जननी है। जब जीवन में पवित्रता थी, तब सृष्टि स्वर्ग समान सुख-शांति से भरपूर थी। आज दुख और अशांति का मूल कारण अपवित्रता है। उन्होंने कहा कि सच्चा रक्षा सूत्र हमें अपनी कमजोरियों, विकारों और बुराइयों से स्वयं की रक्षा करने की प्रेरणा देता है।

रक्षाबंधन के अवसर पर ब्रह्माकुमारी बहनों ने पत्रकार बंधुओ,प्रशासनिक अधिकारी गण, जज, केंद्रीय जेल, वृद्धाश्रम, बाल संप्रेषण गृह, विभिन्न पुलिस थानों, एसटीएफ दुर्ग, विज्ञान विकास केंद्र, होमगार्ड, बटालियन, रक्षित आरक्षी केंद्र, मीठालाल हॉस्टल एवं रेलवे स्टेशन पर कुली भाइयों सहित अनेक स्थानों पर पहुंचकर रक्षा सूत्र बांधा।

इस दौरान लोगों को नशे से दूर रहने तथा नशामुक्त जीवन जीने की प्रतिज्ञा भी कराई गई। बहनों ने संदेश दिया कि दूसरों की रक्षा करने से पहले हमें अपने जीवन को नशे, नकारात्मक विचारों और बुराइयों से सुरक्षित करना होगा। नशामुक्त व्यक्ति ही स्वस्थ परिवार और संस्कारवान समाज का आधार बन सकता है।. नेपाल आपदा पीड़ितों के लिए शांति की कामना .. नेपाल में आई प्राकृतिक आपदा को ध्यान में रखते हुए ब्रह्माकुमारी बहनों एवं भाई-बहनों ने राजयोग मेडिटेशन द्वारा पीड़ित आत्माओं के लिए शांति, सुख एवं शक्ति के प्रकम्पन दिए। परमात्मा से प्रार्थना की गई कि सभी आत्माओं को दुख से मुक्ति मिले और विपरीत परिस्थितियों का सामना करने के लिए धैर्य एवं साहस प्राप्त हो।

बीएसएफ जवानों को बहनों ने बांधी राखी समरसता रक्षाबंधन संगम पर्व का आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

रक्षाबंधन पर बीएसएफ हेडक्वार्टर रिसाली में समरसता रक्षाबंधन संगम पर्व का भव्य आयोजन किया गया। भाजपा एनजीओ प्रकोष्ठ दुर्ग के संयोजक मनोज ठाकरे के संयोजन और शिव शक्ति महिला समिति की अध्यक्ष नीता चौरसिया के नेतृत्व में 38 महिला संगठनों, 15 स्वयं सहायता समूहों और 6 धार्मिक संगठनों की 415 महिलाओं ने 175 बीएसएफ जवानों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा।

कार्यक्रम का शुभारंभ बीएसएफ आईजी, मुख्य अतिथि रजनी विजय बघेल, तृप्ति चंद्राकर, विनीता मनीष पांडे, स्वीटी कौशिक, ब्रह्माकुमारी प्राची दीदी, डॉ. मानसी गुलाटी और प्रदेश संयोजक दिनेश सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। संचालन असिस्टेंट कमांडेंट प्रमोद ओझा ने किया।

आईजी ने कहा कि रक्षाबंधन विश्वास, सम्मान और सामाजिक सौहार्द का प्रतीक है। मुख्य अतिथि रजनी बघेल ने कहा कि पूरा देश जवानों का परिवार है, आज का यह पर्व देशभक्ति का संगम बन गया है। गायत्री मंत्र और शंख ध्वनि के बीच महिलाओं ने तिलक लगाकर जवानों को राखी बांधी और उपहार भेंट किए।

संयोजिका नीता चौरसिया ने कहा कि छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद के खात्मे में जवानों के योगदान पर गर्व है। इस अवसर पर मोगरा देशमुख, रूपेश्वरी साहू, ममता साहू, ममता राव, संध्या मंडलोई, संगीता लहरी सहित बड़ी संख्या में महिला संगठनों की सदस्य उपस्थित रहीं।

एलआईसी में नराकास स्तरीय तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता संपन्न

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नराकास भिलाई-दुर्ग के तत्वावधान में एलआईसी शाखा-1 सिविक सेंटर द्वारा विक्रय प्रशिक्षण केंद्र सेक्टर-6 में तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस की वरिष्ठ मंडल प्रबंधक भावना चांदवानी ने कहा कि राजभाषा नीति के तहत हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन हमारा कर्तव्य है। अध्यक्षता एलआईसी के मुख्य प्रबंधक एसआर विश्वनाथन ने की। निर्णायक राइट्स के महाप्रबंधक राजीव आहूजा, बीएसएनएल की उप मंडल अभियंता अनुराधा धनांक और बीएसपी के उप प्रबंधक जितेंद्र दास मानिकपुरी रहे।

प्रतियोगिता में भिलाई-दुर्ग के विभिन्न संस्थानों के कार्मिकों ने भाग लिया। विजेताः प्रथम – लोकेश जंघेल (बीएसपी बार एंड रॉड मिल), द्वितीय – सौरभ मिश्रा (भारतीय डाक), तृतीय – अभिषेक साहू (बीएसपी)। प्रोत्साहन पुरस्कार – अजिताभ कुमार, शीलमणि ईवा बखला, ओमवीर करण, मनीष और अप्पू बेहरा को मिला। संचालन सुदेशना भट्टाचार्य ने किया और आभार राजभाषा अधिकारी इस्पीता मोदक दत्ता ने व्यक्त किया।

गणेश उत्सव को लेकर दुर्ग पुलिस अलर्ट मोड पर

बैठक में 50 से अधिक पंडाल समितियों को दिए गए दिशा-निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

गणेश उत्सव को शांतिपूर्ण और सुरक्षित संपन्न कराने के लिए दुर्ग पुलिस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। शुक्रवार को 50 से अधिक मध्यम और बड़े गणेश पंडाल समितियों के साथ बैठक कर सुरक्षा और व्यवस्था के निर्देश दिए गए। बैठक में एएसपी शोभराज अग्रवाल, सीएसपी दुर्ग हर्षित मेहर, सीएसपी भिलाई नगर निशांत पाठक और सीएसपी छावनी प्रशांत सिंह पैकरा मौजूद रहे।

पुलिस ने पंडालों में सीसीटीवी, फायर और इलेक्ट्रिसिटी ऑडिट, महिला-पुरुष के लिए अलग प्रवेश, पार्किंग व्यवस्था और रात्रि में दो सदस्यों की उपस्थिति अनिवार्य की है। सांस्कृतिक कार्यक्रम की सूचना एक दिन पूर्व थाने को देना होगी। विसर्जन के लिए गाइडलाइनः निर्धारित मार्ग का पालन करना होगा, झांकी में अधिकतम 3 वाहन, ऊंचाई अधिकतम 15 फीट, न्यूनतम 8 वॉलेंटियर अनिवार्य। हथियार, भाला, तलवार रखना प्रतिबंधित। केवल धार्मिक गीतों की अनुमति, रात 10 बजे के बाद लाउडस्पीकर प्रतिबंधित। नशा, अश्लील गीत और जबरन चंदा वसूली पर कार्रवाई होगी।

दुर्ग पुलिस का वारंट तामिली अभियान, एक दिन में 101 वारंटी गिरफ्तार

दुर्ग। लंबित न्यायालयीन वारंटों की तामिली के लिए दुर्ग पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर एक ही दिन में 101 वारंट तामील कर आरोपियों को जेल भेजा। 29 अगस्त को ACCU और जिले के सभी थानों की टीमों ने समन्वित कार्रवाई की। मारपीट, चाकूबाजी, आर्म्स एक्ट, आबकारी अधिनियम, एनआई एक्ट सहित विभिन्न अपराधों से जुड़े वारंटियों को उनके ठिकानों पर दबिश देकर पकड़ा गया और न्यायालय में पेश किया गया। थाना-वार कार्रवाई : दुर्ग-23, छावनी-15, मोहन नगर-10, खुसीपार-9, भिलाई भट्टी-6, पुरानी भिलाई-6, नेवई-6, पद्मनाभपुर-4, सुपेला-4, उतई-4, कुम्हारी-3, भिलाई नगर-3, जामुल-3, नंदिनी नगर-2, वैशाली नगर-1। पुलिस ने अपील की है कि न्यायालयीन वारंट से बचने का प्रयास न करें और जानकारी होने पर पुलिस को सूचित करें।

बीएसपी को 2029 तक आईएमएस का पुन : प्रमाणन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र को गुणवत्ता, पर्यावरण और सुरक्षा के उच्च मानकों के लिए इंटीग्रेटेड मैनेजमेंट सिस्टम (आईएमएस) का पुनः प्रमाणन वर्ष 2029 तक प्राप्त हुआ है। मई 2026 में मेसर्स टीयूवी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की पांच सदस्यीय टीम ने पांच दिनों तक बीएसपी और दल्लीराजहरा मैकेनाइज्ड माइंस में क्यूएमएस (ISO 9001), ईएमएस (ISO 14001) और ओएचएसएमएस (ISO 45001) का री-सर्टिफिकेशन ऑडिट किया था। सफल ऑडिट के बाद तीनों प्रणालियों के लिए तीन वर्ष का प्रमाणन दिया गया।

28 अगस्त को कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार ने प्रमाण-पत्र पोस्टर का विमोचन किया। इस अवसर पर बिजनेस एक्सीलेंस विभाग की महाप्रबंधक सुरैया एस. कादर, उप महाप्रबंधक पीके साहू और वरिष्ठ प्रबंधक रवि कुमार उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने खेलों पर आधारित फोटो प्रदर्शनी और कॉफी टेबल बुक हमारे खिलाड़ी का किया विमोचन

राष्ट्रीय खेल दिवस पर छत्तीसगढ़ के गौरवशाली खेल इतिहास और खिलाड़ियों की उपलब्धियों को मिला नया मंच, फोटो प्रदर्शनी में प्रदेश की खेल विभूतियों के जीवन और योगदान की झलक

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर राजधानी रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित राज्य खेल अलंकरण समारोह में छत्तीसगढ़ के गौरवशाली खेल इतिहास और खिलाड़ियों की उपलब्धियों पर केंद्रित फोटो प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा कॉफी टेबल बुक हमारे खिलाड़ी का विमोचन किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने फोटो प्रदर्शनी में प्रदर्शित छत्तीसगढ़ की खेल विभूतियों के जीवन, संघर्ष, उपलब्धियों और खेल जगत में उनके योगदान से संबंधित छायाचित्रों एवं जानकारियों का अवलोकन किया। उन्होंने प्रदेश के खेल इतिहास और खिलाड़ियों की उपलब्धियों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की इस पहल की सराहना की। खेलों पर आधारित इस विशेष फोटो प्रदर्शनी में शहीद राजीव पाण्डेय, शहीद पंकज विक्रम, शहीद कौशल यादव और शहीद विनोद चौबे सहित छत्तीसगढ़ की अनेक विभूतियों के जीवन और योगदान को छायाचित्रों एवं रोचक जानकारियों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। प्रदर्शनी में वीर हनुमान सिंह के जीवन, उनकी खेल साधना और खेल जगत में उनके उल्लेखनीय योगदान को भी प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया है।

प्रदर्शनी के माध्यम से प्रदेश की खेल प्रतिभाओं के संघर्ष से सफलता तक के सफर को प्रभावी ढंग से रेखांकित किया गया है। इसमें खिलाड़ियों की उपलब्धियों के साथ उन प्रेरक प्रसंगों को भी स्थान दिया गया है, जो नई पीढ़ी को खेलों के प्रति प्रोत्साहित

करने और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरणा देने वाले हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कॉफी टेबल बुक हमारे खिलाड़ी का भी विमोचन किया। इस कॉफी टेबल बुक में छत्तीसगढ़ का राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरव बढ़ाने वाले खिलाड़ियों के जीवन परिचय, खेल यात्रा, महत्वपूर्ण उपलब्धियों और उनके योगदान को आकर्षक छायाचित्रों के साथ संकलित किया गया है। यह पुस्तक प्रदेश की खेल प्रतिभाओं की उपलब्धियों को दस्तावेजीकृत करने के साथ ही छत्तीसगढ़ की समृद्ध खेल विरासत को नई पीढ़ी से परिचित कराने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगी।

फोटो प्रदर्शनी एवं कॉफी टेबल बुक हमारे खिलाड़ी को खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा जनसंपर्क विभाग द्वारा तैयार किया गया है। इसके माध्यम से छत्तीसगढ़ के खेल इतिहास, प्रदेश की गौरवशाली खेल विभूतियों तथा वर्तमान खिलाड़ियों की उपलब्धियों को एक मंच पर प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है।

इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल, तकनीकी शिक्षा मंत्री खुशवंत साहेब, सांसद बृजमोहन अग्रवाल एवं विजय बघेल, विधायक पुरंदर मिश्रा, मोतीलाल साहू एवं सुनील सोनी, छत्तीसगढ़ अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत छाबड़ा, छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्वविजय सिंह तोमर, ओलंपिक संघ के अध्यक्ष डॉ. विक्रम सिसोदिया सहित विभिन्न खेल संघों के पदाधिकारी, खिलाड़ी, प्रशिक्षक एवं बड़ी संख्या में खेलप्रेमी उपस्थित थे।

खास खबर

उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने अखिल भारतीय फिडे रेटेड शतरंज स्पर्धा का किया शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने जशपुर में पहली बार आयोजित चेकमेट एट जशपुर - अखिल भारतीय ओपन फिडे रेटेड शतरंज प्रतियोगिता 2026 का शुभारंभ किया। खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा जशपुर जिला शतरंज संघ द्वारा 29 अगस्त से 1 सितम्बर तक जशपुर के पुरानी टोली स्थित कम्युनिटी हॉल में किया जा रहा है। इसमें देशभर के 12 राज्यों के 175 खिलाड़ी और कोच भागीदारी कर रहे हैं।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि शतरंज परम्परा और संस्कृति से जुड़ा हुआ खेल है। शतरंज हमें जीवन जीने की कला सिखाती है। यह जीवन में धैर्य रखना, कोई कदम आगे बढ़ाने से पहले सोचना और निर्णय लेने की सीख देती है। कठिन समय में धैर्य न खोना, एकाग्रता बनाए रखना, सोच-समझकर आगे चलना और हर चुनौती का सामना करना शतरंज सिखाती है। इसके 64 खानों और 32 मोहरो में जीवन का सीख छिपा है।

वनवासी कल्याण आश्रम के योगेश बापट, छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष डॉ रामप्रताप सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष अरविन्द भगत, जशपुर जनपद पंचायत अध्यक्ष गंगा राम भगत, कलेक्टर रोहित व्यास, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेंद सिंह और मुख्य नगर पालिका अधिकारी योगेश्वर उपाध्याय सहित जनप्रतिनिधि, खिलाड़ी एवं कोच बड़ी संख्या में शुभारंभ कार्यक्रम में उपस्थित थे।

उप मुख्यमंत्री साव ने 93 करोड़ के कार्यों का किया भूमिपूजन, नए विकास कार्यों की घोषणा की

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने आज जशपुर कम्युनिटी हॉल में 93 करोड़ 91 लाख 98 हजार रुपए के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इनमें अमृत मिशन 2.0 के तहत 86 करोड़ 99 लाख 21 हजार रुपए की पेयजल योजना और स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के अंतर्गत 6 करोड़ 92 लाख 77 हजार रुपए लागत के एसटीपी का निर्माण शामिल हैं।

उन्होंने कार्यक्रम में जशपुर नगर के विकास के लिए 4 करोड़ 68 लाख रुपए के नए कार्यों की भी घोषणा की। इनमें जशपुर नगर पालिका कार्यालय के सामने शॉपिंग कॉम्पलेक्स के निर्माण के लिए एक करोड़ 40 लाख रुपए, देशपांडे पार्क एवं तालाब सौंदर्यीकरण के लिए डेढ़ करोड़ रुपए, मटन मार्केट के लिए एक करोड़ 48 लाख रुपए और शव वाहन के लिए 30 लाख रुपए की राशि शामिल है। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि जशपुर के विकास के लिए राशि की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष डॉ रामप्रताप सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष अरविन्द भगत, जशपुर जनपद पंचायत अध्यक्ष गंगा राम भगत, कलेक्टर रोहित व्यास, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ लाल उमेंद सिंह और मुख्य नगर पालिका अधिकारी योगेश्वर उपाध्याय भी भूमिपूजन कार्यक्रम में मौजूद थे।

छत्तीसगढ़ की खेल प्रतिभाओं को तलाशने, तराशने और राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध - मुख्यमंत्री

राष्ट्रीय खेल दिवस पर मुख्यमंत्री साय ने 126 खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को प्रदान किए राज्य खेल अलंकरण

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती एवं राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर राजधानी रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित राज्य खेल अलंकरण समारोह में प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने वर्ष 2023-24, 2024-25 एवं 2025-26 के लिए 126 उत्कृष्ट खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को राज्य खेल अलंकरण प्रदान किए। समारोह में राज्य खेल अलंकरण प्राप्त खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों के साथ ही 540 अन्य खिलाड़ियों को भी नगद प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। इस प्रकार कुल 666 खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को 1 करोड़ 74 लाख 19 हजार रुपए की पुरस्कार एवं प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री साय ने समारोह में खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि खेल के मैदान में खिलाड़ी का परिश्रम, अनुशासन और संघर्ष केवल उसकी व्यक्तिगत उपलब्धि तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसकी सफलता से पूरे प्रदेश और देश का गौरव बढ़ता है। छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर लगातार अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। राज्य सरकार का प्रयास है कि प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को संसाधनों और अवसरों की कमी के कारण पीछे न रहना पड़े।

समारोह में उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव, केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू, संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल, तकनीकी शिक्षा मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, सांसद बृजमोहन अग्रवाल एवं विजय बघेल विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए।

उत्कृष्ट खिलाड़ियों के लिए शासकीय सेवा के अवसर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने समारोह को

संबोधित करते हुए कहा कि पिछले तीन वर्षों में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को राज्य खेल अलंकरण से सम्मानित किया जा रहा है। राज्य सरकार खिलाड़ियों के भविष्य को सुरक्षित और बेहतर बनाने के लिए भी लगातार कदम उठा रही है। उन्होंने बताया कि हाल ही में प्रदेश के 156 उत्कृष्ट खिलाड़ियों की सूची जारी की गई है, जिससे उनके लिए शासकीय सेवा में नियुक्ति का रास्ता खुला है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को सम्मान और प्रोत्साहन देने के साथ उनके भविष्य को संवारना भी सरकार की प्राथमिकता है। इससे प्रदेश के युवाओं में खेलों को करियर के रूप में अपनाने का विश्वास और मजबूत होगा।

बस्तर की खेल प्रतिभाओं को मिला बड़ा मंच

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के दूरस्थ और जनजातीय अंचलों में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। जरूरत उन्हें पहचानने, अवसर देने और उचित प्रशिक्षण उपलब्ध कराने की है। इसी उद्देश्य से राज्य सरकार पिछले दो वर्षों से बस्तर ओलंपिक का आयोजन कर रही है। उन्होंने कहा कि बस्तर ओलंपिक के पहले आयोजन में 1 लाख 65 हजार युवाओं ने हिस्सा लिया था। दूसरे वर्ष यह संख्या बढ़कर 3 लाख 91 हजार तक पहुंच गई। इतनी बड़ी संख्या में युवाओं का खेल मैदान तक आना बस्तर में आ रहे सकारात्मक बदलाव और युवाओं के बढ़ते आत्मविश्वास का प्रमाण है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरगुजा ओलंपिक के माध्यम से भी स्थानीय प्रतिभाओं को आगे आने का अवसर दिया गया है। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ में खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स का सफल आयोजन किया गया। इन आयोजनों के जरिए राज्य सरकार प्रतिभाओं को तलाशने के साथ उन्हें प्रशिक्षण और प्रतिस्पर्धा का बेहतर वातावरण उपलब्ध करा रही है।

पांच मिशन के जरिए खेलों को नई ऊंचाई देने की तैयारी

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार छत्तीसगढ़ में खेलों और खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए पांच मिशन पर काम कर रही है। इनमें मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन भी शामिल है। इसके लिए 100 करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल प्रतियोगिताएं आयोजित करना नहीं, बल्कि प्रतिभाओं की पहचान से लेकर प्रशिक्षण, आधुनिक संसाधन, बेहतर खेल अधोसंरचना और बड़े मंचों तक पहुंचने के अवसर उपलब्ध कराने की समग्र व्यवस्था विकसित करना है। इससे छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए बेहतर ढंग से तैयार हो सकेंगे।

देश में खेलों के लिए बना सकारात्मक वातावरण : केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू

केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा कि हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद ने अपने खेल से भारत को दुनिया में गौरवान्वित किया। आज उनके पदचिह्नों पर चलते हुए छत्तीसगढ़ के बेटे-बेटियां विभिन्न खेलों में प्रदेश और देश का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खिलाड़ियों को प्रोत्साहन, आधुनिक सुविधाएं और अवसर उपलब्ध कराने के कारण देश में खेलों के प्रति सकारात्मक वातावरण बना है। इसका परिणाम है कि भारत के खिलाड़ी विश्व की बड़ी प्रतियोगिताओं में लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं।

प्रदेश में मजबूत हो रही खेल अधोसंरचना

मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रदेश में आधुनिक खेल अधोसंरचना का तेजी से विकास किया जा रहा है। कुनकुरी, रायगढ़ और रायपुर में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स विकसित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि तीरंदाजी के खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नवा रायपुर में लगभग 67 करोड़ रुपए की लागत से एकेडमी का निर्माण किया जा रहा है। इसी तरह पहाड़ी कोरवा समुदाय की नैसर्गिक तीरंदाजी प्रतिभा को निखारने के लिए पंडरापाट में लगभग 18 करोड़ रुपए की लागत से तीरंदाजी अकादमी विकसित की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ के जनजातीय अंचलों में अनेक ऐसे युवा हैं, जिनमें खेलों की स्वाभाविक प्रतिभा है। उन्हें आधुनिक प्रशिक्षण और उचित मंच उपलब्ध कराकर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार किए जा सकते हैं।

छत्तीसगढ़ में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं : उप मुख्यमंत्री अरुण साव

उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की भौगोलिक विविधता विभिन्न खेलों के लिए अनुकूल है। प्रदेश में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता इन प्रतिभाओं को पहचानकर उन्हें निखारने और आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर देने की है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार इसी दिशा में लगातार कार्य कर रही है। केंद्र सरकार की खेलो इंडिया जैसी पहलों से देशभर में खेलों के प्रति नया उत्साह और सकारात्मक वातावरण बना है। इसका लाभ छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को भी मिल रहा है। श्री साव ने बिलासपुर खेल अकादमी की गीता यादव और मधु सिदार का एशिया कप के लिए भारतीय टीम में चयन होने का उल्लेख करते हुए कहा कि यह पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव की बात है। प्रदेश की प्रतिभाएं निरंतर बड़े मंचों तक पहुंच रही हैं।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों के सामने अनेक बड़े अवसर हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रदेश के खिलाड़ी राष्ट्रमंडल खेलों के साथ ही ओलंपिक और एशियन गेम्स जैसे प्रतिष्ठित मंचों पर पदक जीतकर छत्तीसगढ़ के एम्बैसडर बनेंगे और राज्य का गौरव बढ़ाएंगे।

समारोह में विधायक पुरन्दर मिश्रा, मोतीलाल साहू एवं सुनील सोनी, अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत छाबड़ा, रायपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष नंद कुमार साहू, छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर, छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के अध्यक्ष डॉ. विक्रम सिसोदिया, विभिन्न खेल संघों के पदाधिकारी, खिलाड़ी एवं प्रशिक्षक उपस्थित थे।

तीन वर्षों के उत्कृष्ट खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों का सम्मान

राज्य खेल अलंकरण समारोह में वर्ष 2023-24, 2024-25 और 2025-26 के उत्कृष्ट खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया। इनमें शहीद राजीव पाण्डेय पुरस्कार, शहीद कौशल यादव पुरस्कार, वीर हनुमान सिंह पुरस्कार, शहीद पंकज विक्रम सम्मान, शहीद विनोद चौबे सम्मान और मुख्यमंत्री ट्रॉफी शामिल हैं।

वर्ष 2023-24 : शहीद राजीव पाण्डेय पुरस्कार- कु. मोनिका साहू (फेंसिंग), सुभाष लहरे (वेटलिफ्टिंग), अनुप यदु (नेटबॉल), राजेश राठौर (नेटबॉल), भूपेन्द्र कुमार गढ़े (सॉफ्टबॉल) एवं परमानंद (पैरा स्विमिंग)।

शहीद कौशल यादव पुरस्कार-सुश्री दिपांशी नेताम (फेंसिंग), महेन्द्र धुर्वे (वॉलीबॉल), अमित कुमार (एथलेटिक्स) एवं राकेश कडती (सॉफ्टबॉल)।

वीर हनुमान सिंह पुरस्कार- श्री विकास ढीढ़ी (पैरा जूडो)।

शहीद पंकज विक्रम सम्मान - कु. सीता साहू (पैरा व्हीलचेयर फेंसिंग), करन भारती (वुशू), सुश्री प्रियंका ठाकुर (वुशू), शशांक मसीह (रायफल शूटिंग), राजीव साहू (टेबल टेनिस), कु. काजल (टेबल टेनिस), कु. भूमिका उपाध्याय (हॉकी) एवं अजिंक्या सिंह (तैराकी)।

शहीद विनोद चौबे सम्मान- प्रवेश चड्ढा (शूटिंग), विजय बहादुर (हैंडबॉल), लक्ष्मण लाल साहू (कुश्ती), के. रवि शंकर (टेबल टेनिस) एवं गिरिराज बागड़ी (टेबल टेनिस)।

मुख्यमंत्री ट्रॉफी - सीनियर वर्ग में बिलासपुर की पैरा व्हीलचेयर फेंसिंग टीम।

वर्ष 2024-25 : शहीद राजीव पाण्डेय पुरस्कार- कु. ज्ञानेश्वरी यादव (वेटलिफ्टिंग), ईशान भटनागर (बैडमिंटन), दिव्यांशु नेताम (फेंसिंग), कु. भूमि गुप्ता (तैराकी), कु. सोनम शर्मा (नेटबॉल), कलाराम पटेल (पैरा एथलेटिक्स) एवं लोमेन्द्र साहू।

शहीद कौशल यादव पुरस्कार- मानस भट्टाचार्य (बैडमिंटन) एवं सुखदेव (पैरा एथलेटिक्स)।

वीर हनुमान सिंह पुरस्कार- अशोक कुमार साहू (कयाकिंग एवं कैनोइंग)।

शहीद पंकज विक्रम सम्मान- कु. सुमन यादव (फुटबॉल), रोहित रजक (हॉकी), कु. गीतांजलि निर्मलकर (हॉकी), केएस साई प्रशांत (टेबल टेनिस), कु. सुष्मिता सोम (टेबल टेनिस), रामकृष्ण साहू (पैरा स्विमिंग), स्वाति साहू (पैरा व्हीलचेयर फेंसिंग), साकेत सामुएल (रायफल शूटिंग), अमन तिवारी (वुशू) एवं कु. मानसी डुंभरे (वुशू)।

शहीद विनोद चौबे सम्मान- श्रीमती प्रभा हुसैन (एथलेटिक्स), श्रीमती संगीता राजगोपालन (बैडमिंटन), गामा यादव (कुश्ती) एवं प्रनय नन्द मजूमदार (टेबल टेनिस)।

मुख्यमंत्री ट्रॉफी- सीनियर महिला वर्ग में बिलासपुर की तीरंदाजी टीम।

वर्ष 2025-26 : शहीद राजीव पाण्डेय पुरस्कार- विकास कुमार (आर्चरी), किरण पिस्दा (फुटबॉल), दीपांशी नेताम (फेंसिंग), सुजेय तंबोली (बैडमिंटन), आयुष माखिजा (बैडमिंटन), संजू देवी (कबड्डी), रीमा राय (सॉफ्ट टेनिस), मिशा कुमारी (नेटबॉल) एवं लक्की यादव (पैरा एथलेटिक्स)।

शहीद कौशल यादव पुरस्कार झ दिव्यांशु देवांगन (शूटिंग), विक्रम राज (आर्चरी), दिव्यांश अग्रवाल (बैडमिंटन), सोनिका राजवाड़े (एथलेटिक्स), स्वप्निल प्रधान (वुशू), भूमिका चौधरी (नेटबॉल), पूजा (नेटबॉल) एवं निखिल कुमार यादव (पैरा एथलेटिक्स)।

वीर हनुमान सिंह पुरस्कार झ अजय दीप सारंग (वेटलिफ्टिंग)।

शहीद पंकज विक्रम सम्मान झ संस्कार दिवान (वुशू), विद्या सिंह (वुशू), अंकुश सिंह (खो-खो), झमिता साहू (खो-खो), हेमशिखर (वॉलीबॉल), अरन्दिम देवनाथ (टेबल टेनिस), स्नेहा न्योगी (जूडो), अनमोल सिंह (जूडो), यश केरकेट्टा (बॉक्सिंग), टुकेश साहू (जिम्नास्टिक), सेमेश्वर सिंह (पैरा स्विमिंग), श्रीकांत पाण्डे (पैरा जूडो) एवं खुशाल यादव (हॉकी)।

शहीद विनोद चौबे सम्मान झ गंगेश्वर (एथलेटिक्स), ख्वाजा अहमद (वॉलीबॉल), एवन कुमार जैन (वेटलिफ्टिंग), मो. अकरम खान (वॉलीबॉल) एवं प्रदीप जोशी (टेबल टेनिस)।

मुख्यमंत्री ट्रॉफी- तीरंदाजी सीनियर महिला टीम एवं सॉफ्ट टेनिस जूनियर बालिका टीम।

लक्ष्य हासिल करने के लिए जुनून जगाएं और मेहनत करें : राज्यपाल रमेन डेका

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राज्यपाल रमेन डेका बलौदाबाजार विकासखंड के ग्राम चाम्पा स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित लोकार्पण एवं सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने विद्यालय के नवनिर्मित सभाकक्ष का लोकार्पण किया। साथ ही, वरिष्ठ शिक्षकों, 10वीं व 12वीं के मेधावी छात्रों, पीएटी में चयनित विद्यार्थियों और 'हम होंगे कामयाब' योजना के तहत रोजगार प्राप्त 9 युवाओं को सम्मानित किया।

जुनून और कड़ी मेहनत ही सफलता की कुंजी- राज्यपाल

समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि नवनिर्मित सभाकक्ष से विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने के लिए सांस्कृतिक और ज्ञानवर्धक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने शिक्षक-छात्र संबंधों की प्रगाढ़ता पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षकों को अपने आचरण से छात्रों का रोल मॉडल बनना चाहिए। छात्रों को संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए जुनून पैदा करें और उसे हकीकत में बदलने के लिए निरंतर कड़ी मेहनत करें। नई शिक्षा नीति का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि यह नीति कौशल विकास और विषय विशेषज्ञता हासिल करने में सहायक है।

डिजिटल तकनीक का संतुलित उपयोग जरूरी

मोबाइल और सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग पर चिंता व्यक्त करते हुए राज्यपाल ने छात्रों से अपील की कि वे तकनीक का इस्तेमाल केवल आवश्यक कार्यों के लिए ही करें। सोशल मीडिया और एआई सुविधाजनक जरूर हैं, लेकिन इनका अत्यधिक उपयोग आत्ममंथन और सृजनात्मक को कम कर देता है।

ऐतिहासिक और गौरव का क्षण : राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा

राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने राज्यपाल के आगमन को चाम्पा गांव के लिए ऐतिहासिक बताया। उन्होंने अपने स्कूली दिनों को याद करते हुए कहा कि शिक्षक न केवल शिक्षा देते हैं, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी का बोध भी कराते हैं। उन्होंने छात्रों को असफलताओं से न घबराकर कड़ी मेहनत जारी रखने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम को पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने अपनी स्वर्गीय माता चम्पावती डेका की स्मृति में स्कूल परिसर में अमलताश का पौधा रोपा। राजस्व मंत्री व अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी एक पेड़ माँ के नाम पौधरोपण किया।

कार्यक्रम में 'बिहान' योजना की आजीविका दीदियों द्वारा लगाए गए उत्पादों की प्रदर्शनी का राज्यपाल ने अवलोकन किया। इस दौरान दीदियों ने उन्हें धान और चावल के बीजों से निर्मित

हस्तनिर्मित राखी बांधी, जिसकी राज्यपाल ने भूरि-भूरि प्रशंसा की।

समारोह में शिक्षक व शिक्षाविद एस.एम. पाध्ये, डॉ. निशा झा, डॉ. डी.एन. राय, और भूषण धुरंधर तथाप्रतिभावान छात्र जिज्ञासु वर्मा (12वीं स्टेट टॉपर), साक्षी वर्मा, अमित कुमार टंडन (10वीं), तथा पीएटी चयनित प्रवीण डहरिया, ममता साहू एवं मयंक वर्मा को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य नागरिक और विद्यार्थी उपस्थित थे।

संपादकीय

हैरानी की बात यह है पीएम पद के नए दावेदार सामने आए

वक्त के साथ ज्यादातर लोगों की पसंद भी वही बनी भी रहती है और कुछ लोगों की पसंद बदलती भी है। लोगों की पसंद बने रहने का जिस तरह बहुत से कारण होते हैं, उसी तरह लोगों की पसंद बदलने के भी कई कारण होते हैं। इसलिए यह तो कोई निश्चित रूप से नहीं कह सकता किसी को कोई पसंद करता है तो उसका कोई एक कारण है, इसी तरह तरह यदि लोगों की पसंद बदल रही है तो कोई भी यह निश्चित रूप से नहीं कह सकता कि पसंद बदलने का कोई एक कारण यह है। भारत के पीएम पद के लिए पसंद के लिए किए गए इंडिया टूडे के मूड आफ नेशन सर्वे से यह तो पता चलता है कि पीएम पद के लिए आज भी पहली पसंद पीएम मोदी हैं और उनके बाद देश के लोग किसी को पसंद करते हैं तो वह राहुल गांधी है।

पीएम पद के लिए सर्वे के मुताबिक तो कुछ भी नहीं बदला है। हर साल यह सर्वे होता है और इसमें पिछले 12 साल से पीएम पद के लिए पीएम मोदी ही पहली पसंद बने हुए हैं तो यह कहा जा सकता है कि राहुल गांधी और पीएम मोदी के बीच 20 प्रतिशत का अंतर बना हुआ है। राहुल गांधी इस अंतर को कम नहीं कर पा रहे हैं ।इसकी वजह यह है कि वह सकारात्मक राजनीति नहीं करते हैं ।वह सकारात्मक राजनीति करते तो उनके और पीएम मोदी के बीच जो बरसों से बड़ा फासला बना हुआ है वह कम हो सकता है ।वह पीएम मोदी के बाद दूसरे नंबर पर है तो यह उनकी लोकप्रियता नहीं, विपक्ष में कोई और विकल्प न होने के कारण के हैं।

पहले व दूसरे नंबर के बीच कोई बदलाव न होने से भाजपा जहां निश्चित रह सकते हैं कि उनके नेता को अब तक देश में कोई मजबूत विकल्प नहीं हैं। वही कांग्रेस के नेताओं को इस बात की चिंता हो सकती है कि विपक्ष में पीएम पद के पुराने दावेदारों के साथ अब नए दावेदार सामने आ रहे हैं और लोगों में उनकी लोकप्रियता बढ़ भी रही है। यानी विपक्ष में राहुल गांधी के बाद पहले जितने पीएम पद के दावेदार थे, अब उनकी संख्या बढ़ रही है। विपक्ष मे पीएम पद के पुराने दावेदारों में ममता बैनर्जी अब भी दावेदार हैं, उसके बाद अखिलेश यादव भी दावेदार है और अरविंद केजरीवाल भी दावेदार हैं। तीनों में जब तक पं.बंगाल ममता हारी नहीं थी, पीएम पद की मजबूत दावेदार थी लेकिन बंगाल हारने के बाद उनका दावा कमजोर हुआ है और वह भी अब पीएम मोदी को हराने वाली नहीं हारने वाली नेता हो गई हैं।

विपक्ष के पीएम पद के दावेदारों के लिए चिंता की बात यह है कि दो नए दावेदार इस बार के सर्वे में आएं है। एक हैं तमिलनाडु के सीएम विजय जोसेफ। दूसरे हैं सीजेपी के नेता अभिजीत दीपके ।पहले के सर्वे में यह दोनों पीएम पद के लिए लोगों की पसंद में नहीं थे लेकिन पिछले कुछ महीनों में यह दोनों अपनी सक्रियता के कारण खूब चर्चा में रहे है। विजय जहां मजबूत राजनीतिक दल को हराने के कारण व लोकलुभावन वादों के कारण चर्चा में रहे हैं, वहीं अभिजीत दीपके जेनजी के आंदोलन व शिक्षामंत्री को इस्तीफा देने के लिए मजबूर कर देने के कारण चर्चा में रहे हैं। दोनों नेता ने अपना लक्ष्य तय किया और उसे पाने में सफल रहे हैं। यही वजह है कि दक्षिण से विजय को पीएम पद के लिए सबसे ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। यह राहुल गांधी व कांग्रेस के लिए चिंता की बात हो सकती है।

अभी लोकसभा चुनाव में दो साल से ज्यादा समय है। तब तक विजय राज्य में बहुत अच्छा काम करते है तो उन की लोकप्रियता और बढ़ सकती है और वह राहुल गांधी की जगह विपक्ष के पीएम पद के प्रत्याशी बनाए जा सकते हैं तब जब विपक्ष के नेता ममता, अखिलेश, तेजस्वी आदि नेता चाहें। राहुल गांधी को विपक्ष के कई नेता पीएम पद का योग्य प्रत्याशी नहीं मानते हैं क्योंकि वह हर मामले में पीएम मोदी से कोसो पीछे हैं। वह पीएम मोदी से तीन बार हारे हुए है ।यही वजह है कि विजय का नाम सामने आने के बाद से कांग्रेस नेता यह कहने लगे हैं कि इंडी ब्लाक की तरफ से तो राहुल गांधी ही पीएम का चेहरा होंगे। अभिजीत दीपके युवाओं की पसंद हैं, वह एक सफल आंदोलन कर चुके हैं, इससे युवाओं में उनकी स्वीकार्यता बढ़ी वह केजरीवाल से ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं तो यह केजरीवाल के साथ ही विपक्ष के नेताओं के लिए चिंता की बात हो सकती है क्योंकि अभिजीत की लोकप्रियता इसी तरह बढ़ती रही तो वह दो साल में युवाओं का प्रभावी नेता बन सकता है और वह विपक्ष का नया चेहरा हो सकता है ।क्योंकि विपक्ष को जो काम करना चाहिए वह कर नहीं रहा है। ऐसे में जनता को दीपके विपक्ष का नेता लगता है यह कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी।

नेपाल त्रासदी : क्या केवल प्राकृतिक आपदा समझना उचित होगा?

प्रो.(डॉ.) मनमोहन प्रकाश, स्वतंत्र पत्रकार

नेपाल में हाल ही में घटी भयावह त्रासदी ने दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। इसने एक बार फिर हिमालयी क्षेत्र की संवेदनशीलता और मानव विकास की दिशा पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। बाढ़, भूस्खलन, हिमनदों (ग्लेशियर) के टूटने और अचानक आने वाले मलबे के सैलाब जैसी घटनाओं को 'प्राकृतिक आपदा' कहकर आगे बढ़ जाना आसान हो सकता है। लेकिन क्या इस त्रासदी से हुई जन-धन की अपार हानि को केवल प्राकृतिक आपदा मानना उचित है? शायद नहीं।

यह घटना प्रकृति के बदलते स्वरूप को पहचानने के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन, पर्यावरणीय असंतुलन और हिमालयी क्षेत्रों में बढ़ते मानवीय हस्तक्षेप के सम्मिलित प्रभावों की नए सिरे से विवेचना करने का अवसर देती है। हिमालय क्षेत्र भूगर्भीय रूप से अत्यधिक सक्रिय पर्वत प्रणालियों में से एक है। इसकी भौगोलिक संरचना स्वाभाविक रूप से इसे भूस्खलन, भूकंप, बाढ़ और हिमस्खलन जैसी घटनाओं के प्रति संवेदनशील बनाती है। इसके बावजूद सदियों से स्थानीय समुदाय प्रकृति के साथ तालमेल बिठाकर जीवन जीते आए हैं। समस्या तब अधिक गंभीर हो जाती है, जब प्राकृतिक संवेदनशीलता को दरकिनार कर अप्राकृतिक मानवीय गतिविधियों और अवसंरचनात्मक दबाव को प्राथमिकता दी जाने लगती है। नेपाल की घटना को इसी व्यापक संदर्भ में देखने की आवश्यकता है। हिमनदों और हिमनदीय झीलों में हो रहे परिवर्तन, वैश्विक तापमान में वृद्धि, अत्यधिक मूसलाधार वर्षा और पहाड़ी ढलानों पर बिना योजना के बसती आबादी या अनियंत्रित पर्यटन जोखिम को कई गुना बढ़ा रहे हैं। किसी एक घटना को केवल जलवायु परिवर्तन का परिणाम घोषित करना वैज्ञानिक रूप से सही न हो, लेकिन बदलती जलवायु और हिमालयी पर्यावरण में आ रहे बदलावों को नजरअंदाज करना भी उतना ही अनुचित होगा।

इस त्रासदी का सबसे चिंताजनक पहलू सूचना क्रांति के युग में भी ऐसी घटनाओं का बड़े पैमाने पर अप्रत्याशित रूप से जन- धन नुकसान पहुंचाना है। इस तथ्य से इंकार नहीं किया जा सकता कि सामान्य बाढ़ की तुलना में ग्लेशियर फटने या हिमनदीय झील के टूटने से उत्पन्न मलबे का प्रवाह अत्यंत तीव्र और विनाशकारी होता है। पानी के साथ बर्फ, चट्टान, मिट्टी और मलबे का विशाल प्रवाह नीचे की ओर बढ़ता है तथा रास्ते में आने वाली बस्तियों, सड़कों और पुलों को ध्वस्त कर देता है। ऐसे में मात्र कुछ मिनटों या घंटों की अग्रिम पूर्व चेतावनी भी हजारों जान-माल की रक्षा कर सकती है।

प्रश्न केवल यह नहीं है कि ऐसी विनाशकारी प्राकृतिक घटना कैसे घटी, बल्कि प्रश्न यह भी है कि हमने संवेदनशील स्थानों पर अनियोजित निर्माण की अनुमति क्यों और कैसे दी ?, समय रहते सूचना क्यों नहीं प्राप्त की जा सकी? इस तथ्य से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि पर्वतीय क्षेत्रों में सड़कों, अस्पतालों, विद्यालयों, संचार व्यवस्था और बिजली का विकास आवश्यक है। लेकिन यदि यह विकास हिमालय की पारिस्थितिक वहन क्षमता को ध्यान में रखे बिना किया जाए, तो वही विकास आपदा का कारण बन जाता है। नदी के प्राकृतिक प्रवाह क्षेत्रों में अतिक्रमण, अस्थिर ढलानों पर अवैज्ञानिक सड़क निर्माण, बहुमंजिला होटलों एवं भवनों का निर्माण और बिना पर्यावरणीय प्रभाव आकलन के बड़ी परियोजनाएं किसी भी प्राकृतिक घटना को मानवीय त्रासदी में बदल देती हैं। ?इसलिए प्राकृतिक आपदा और मानवजनित आपदा के अंतर को समझना आवश्यक है। भूस्खलन एक प्राकृतिक प्रक्रिया हो सकती है, लेकिन यदि अनियोजित निर्माण के कारण लोग वहां जोखिम में आते हैं, तो उसके विनाशकारी प्रभाव में मानवीय निर्णयों की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता।

यह घटना भारत के लिए भी एक गंभीर चेतावनी है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश तथा लद्दाख और जम्मू-कश्मीर जैसे राज्य भी इसी हिमालयी पारिस्थितिकी का हिस्सा हैं। केदारनाथ और चमोली जैसी त्रासदियों ने पहले ही यह साबित कर दिया है कि अत्यधिक वर्षा और मानवीय हस्तक्षेप का संयोजन कितना विनाशकारी हो सकता है। अतः नेपाल के प्रति केवल संवेदना व्यक्त करना या राहत सामग्री भेजना पर्याप्त नहीं होगा; हमें इस घटना से सीख लेकर अपने देश में भी बहुत कुछ करना होगा।

आज आधुनिक विज्ञान, उपग्रह निगरानी, रिमोट सेंसिंग, ड्रोन, मौसम पूर्वानुमान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित विश्लेषण के माध्यम से संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी संभव है। इसके साथ ही, भारत और नेपाल के बीच सीमा-पार आपदा सूचनाओं का त्वरित आदान-प्रदान समय की मांग है, क्योंकि नदियां और ग्लेशियर राजनीतिक सीमाओं को नहीं मानते।

हमें यह समझना होगा कि पहाड़ों को मैदानों की तर्ज पर विकसित करने का जोखिम नहीं लिया जा सकता। पहाड़ों में विकास का अर्थ अनियंत्रित निर्माण नहीं, बल्कि न्यूनतम पर्यावरणीय क्षति के साथ अधिकतम मानवीय सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

आपदा प्रबंधन केवल राहत सामग्री बांटने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि यह जोखिम की पूर्व पहचान, निर्माण पर नियंत्रण, स्थानीय समुदायों के प्रशिक्षण और वैज्ञानिक नियोजन से शुरू होता है। सरकारें प्रकृति को दोष देकर अपनी प्रशासनिक जवाबदेही से नहीं बच सकती। मनुष्य को प्रकृति पर विजय पाने का अहंकार छोड़कर उसके संकेतों को समझने और उसके अनुरूप विकास की नीति तय करने में ही बुद्धिमत्ता है।

लड़कियों को फैसले लेने की आजादी मिलनी चाहिए

जीतू कुमारी

गांवों में लड़कियों की शिक्षा को लेकर तस्वीर पहले से बदली है। कुछ दशक पहले जहां गिने चुने घरों की लड़कियों का स्कूल जाना ही बड़ी बात माना जाता था, वहीं अब लगभग सभी ग्रामीण परिवार की किशोरियां स्कूल जाने लगी हैं। प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा के बाद लड़कियां 12वीं तक पढ़ रही हैं और कुछ उच्च शिक्षा के लिए भी गांव से बाहर जा रही हैं। लेकिन सवाल उठता है कि क्या केवल स्कूल की दहलीज तक पहुंच जाना ही लड़कियों की आजादी का मतलब पूरा हो जाता है? क्या किताबें हाथ में आने के बाद उनके जीवन के फैसले भी उनके हाथ में आ गए हैं? इन सवालों का जवाब अभी पूरी तरह हां में नहीं दिया जा सकता।

ग्रामीण समाज में लड़कियों के लिए शिक्षा के दरवाजे धीरे-धीरे खुले हैं, लेकिन फैसले लेने की खिड़की अब भी लगभग बंद है। लड़की क्या पढ़ेगी? कितना पढ़ेगी? कब उसकी शादी होगी? किससे शादी करेगी? क्या पहनेगी? किसके साथ और कहां जाएगी? इन सवालों के जवाब अक्सर लड़की से ज्यादा परिवार और समाज तय करता है। मतलब शिक्षा का स्तर बढ़ा है, लेकिन निर्णय लेने का अधिकार उसी गति से नहीं बढ़ पाया है। लूणकरणसर ब्लॉक से करीब 20 किमी दूर कुजटी गांव इस बदलाव और ऐसी ही सीमाओं का एक उदाहरण है। करीब 2500 की आबादी वाले इस गांव में पुरुषों की साक्षरता दर 72 प्रतिशत है, जबकि महिलाओं की साक्षरता दर केवल 40 प्रतिशत है।

आंकड़े बताते हैं कि लड़कियों और महिलाओं की शिक्षा के मामले में अभी लंबी दूरी तय करनी बाकी है। फिर भी बदलाव की शुरूआत हो चुकी है। आज गांव की लड़कियां पढ़ना चाहती हैं, आगे बढ़ना चाहती हैं और अपने जीवन को लेकर सवाल भी पूछ रही हैं। गांव की 21 वर्षीय कविता (नाम परिवर्तित) का सवाल इसी बदलती सोच की आवाज है। वह बताती है कि गांव के कई परिवारों में आज भी यह धारणा है कि लड़की को ज्यादा पढ़ाने से वह ह्यबिगड़ह्व जाएगी। परिवारों को डर रहता है कि पढ़ी-लिखी लड़की आगे चलकर अपनी पसंद से शादी कर सकती है इससे परिवार की इज्जत मिट्टी में मिल जाएगी।

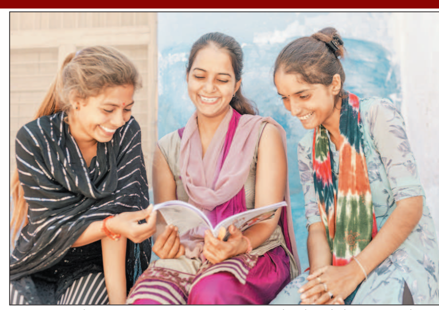

लेकिन कविता का सवाल इस पूरी सोच की बुनियाद को हिला देता है। वह पूछती हैं कि लड़की अपनी पसंद से शादी करे तो परिवार की इज्जत मिट्टी में कैसे मिल जाती है? जबकि लड़का अपनी पसंद से शादी करे तो वही इज्जत क्यों नहीं मिटती? यह सवाल केवल शादी का सवाल नहीं है। यह उस परंपरा पर उठती उंगली है जिसमें एक ही निर्णय लड़के के लिए अधिकार और लड़की के लिए परिवार की प्रतिष्ठा पर हमला बन जाता है। अगर लड़के को अपने जीवनसाथी के चुनाव का अधिकार है तो लड़की से यह अधिकार क्यों छीन लिया जाता है? अगर परिवार की इज्जत बच्चों के व्यवहार से जुड़ी है, तो उसकी जिम्मेदारी केवल लड़की के कंधों पर क्यों रखी जाती है?

यही फर्क हमें शिक्षा और आजादी के बीच समझना होगा। शिक्षा का असली अर्थ तब पूरा होता है जब वह अपने जीवन के बारे में सोचने, सवाल पूछने और निर्णय लेने का आत्मविश्वास भी हासिल करे। यदि 12वीं तक पढ़ने के बाद भी उसके जीवन का फैसला उसकी इच्छा पूछे बिना कर दिया जाए, तो शिक्षा का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य अधूरा रह जाता है।

ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी बड़ी संख्या में 12वीं के बाद लड़कियों की पढ़ाई रोक दी जाती है और शादी को अगला स्वाभाविक पड़ाव मान लिया जाता है। यह भी सच है कि पहले की तुलना में 12वीं तक पहुंचने वाली लड़कियों की संख्या बढ़ना एक सकारात्मक बदलाव है। लेकिन यह सामाजिक बदलाव अचानक नहीं आता है। एक पीढ़ी स्कूल तक पहुंची है, अगली पीढ़ी कॉलेज के बारे में कदम बढ़ाने लगी है. इसके बाद शायद समाज लड़की के अपने फैसले लेने को भी सामान्य मानना सीखेगा। इसलिए अगला कदम उठाने के लिए आज से ही गांवों में हो रही छोटी-छोटी शुरूआतों को पहचानना जरूरी है।

कविता एक और सामाजिक असमानता की ओर ध्यान दिलाती हैं। उनके गांव में विधवा महिला को शुभ नहीं माना जाता और उसे शुभ कामों से दूर रखा जाता है। दूसरी ओर, विधुर पुरुष के साथ ऐसा व्यवहार नहीं होता है। कविता का सवाल फिर वही है कि पति की मृत्यु के बाद महिला अशुभ और पत्नी की मृत्यु के बाद भी पुरुष सामान्य कैसे हो जाता है? क्या किसी व्यक्ति का शुभ-अशुभ होना उसके जीवनसाथी की मृत्यु से तय किया जा सकता है? और अगर यह नियम सचमुच सामाजिक परंपरा है, तो उसका बोझ केवल महिलाओं पर ही क्यों? समाज में बदलाव का मतलब परंपराओं को अचानक खत्म करना नहीं, बल्कि उन परंपराओं से सवाल करना है जो किसी को नियमों से बांधती है और कोई सभी नियमों से ऊपर हो जाता है। गांव की लड़कियों से यह कहना कि ह्यहम तुम्हारी सुरक्षा चाहते हैंह्व तब तक अधूरा है, जब तक सुरक्षा के नाम पर उसकी स्वतंत्रता छीनी जाती रहेगी। लड़कियों को यह अधिकार मिलना चाहिए कि वे अपनी पसंद के कपड़े पहनें, अपनी रुचि के विषय और करियर चुनें, सुरक्षित तरीके से अपनी पसंद की जगहों पर जाएं और सबसे बढ़कर, अपने जीवन से जुड़े सभी फैसलों में उसकी इच्छा को प्राथमिकता मिले।

इस बात में कोई दो राय नहीं कि अब गांवों की फिजा भी बदल रही है। लड़कियां सवाल पूछ रही हैं। वे अपनी दुनिया को केवल घर की चारदीवारी तक सीमित मानने से इनकार कर रही हैं। कुजटी की कविता का सवाल इसी बदलाव का संकेत है। अब जरूरत इस बात की है कि समाज उन सवालों से घबराए नहीं, बल्कि अपनी सोच को बदले, क्योंकि किसी लड़की की आजादी परिवार की इज्जत कम नहीं करती। उलटे, जिस समाज में उसकी इच्छा, असहमति और निर्णय को सम्मान मिलता है, वही समाज वास्तव में आगे बढ़ता है। लड़कियों को शिक्षा देना बदलाव की शुरूआत है और उसे अपने फैसले लेने का अधिकार देना उस बदलाव की मंजिल है।

छग में उच्च शिक्षा का 'नया सवेरा' कौशल, अनुसंधान और रोजगार से गढ़ा जा रहा भविष्य

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा की तस्वीर अब केवल किताबों और कक्षाओं तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह कौशल, तकनीक और रोजगार के नए आयाम गढ़ रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की मूल भावना को आत्मसात करते हुए राज्य सरकार उच्च शिक्षा के परिदृश्य में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है। उद्देश्य स्पष्ट है—युवाओं को केवल डिग्री बांटना नहीं, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर, हुनरमंद और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना। दूरस्थ अंचलों से लेकर बड़े शहरों के परिसरों तक, इस नई शैक्षणिक क्रांति की आहट साफ सुनी जा सकती है।

गुणवत्ता का 'मिशन मोड' : सुदृढ़ मॉनिटरिंग और वित्तीय संबल

शिक्षा की गुणवत्ता में व्यापक और त्वरित सुधार लाने के लिए 'छत्तीसगढ़ उच्च शिक्षा मिशन' की नींव रखी गई है। इस मिशन के तहत राज्य के महाविद्यालयों का चयन कर प्रतिवर्ष उनके ढांचागत और शैक्षणिक उन्नयन के लिए विशेष राशि स्वीकृत की जाएगी। यह व्यवस्था केवल कागजों तक सीमित न रहे, इसके लिए एक मजबूत मॉनिटरिंग तंत्र भी तैयार किया गया है, जो यह सुनिश्चित करेगा कि स्वीकृत बजट का लाभ सीधे विद्यार्थियों तक पहुँचे।

उत्कृष्टता का नया पता : 36 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' महाविद्यालय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप, राज्य के हर जिले में बहुसंकायी और अनुसंधान-केंद्रित शिक्षण संस्थानों की परिकल्पना को साकार किया जा रहा है। जिन महाविद्यालयों में विद्यार्थियों की संख्या 3000 से अधिक है और जिनका प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा है, उन्हें 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के रूप में विकसित किया जाएगा। ये 36 महाविद्यालय राज्य में शोध, नवाचार और उच्चस्तरीय अध्यापन के प्रमुख केंद्र बनकर उभरेंगे।

भविष्य की तकनीक और हुनर : स्वावलंबन की ओर बढ़ते कदम

बदलते दौर के साथ विद्यार्थियों को आधुनिक मांग के अनुरूप ढालने के लिए 'स्ववित्तीय पाठ्यक्रम नीति' लागू की जा रही है। इसके तहत स्थानीय जरूरतों को ध्यान में रखते हुए रोजगारपरक और तकनीकी पाठ्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं।

इलेक्ट्रॉनिक्स, सेरीकल्चर (रेशम कीट पालन), फिशरीज और टसर टेक्नोलॉजी जैसे विषयों की पढ़ाई शुरू की जा रही है। आधुनिक तकनीक व उद्यमिता के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सिक्योरिटी, वेब डिजाइनिंग, फूड प्रोसेसिंग, मशरूम कल्टीवेशन, फ्लोरीकल्चर और हर्बल कल्टीवेशन जैसे विषयों को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया गया है। इन सभी के लिए उच्च शिक्षा विभाग ने राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ-साथ राज्य के कौशल विकास व तकनीकी विभागों के साथ टङ्मव किए हैं, ताकि युवाओं को सीधे उद्योग और व्यावहारिक अनुभव से जोड़ा जा सके।

समावेशी विकास : वनांचल तक पहुँच और नए अवसर

शिक्षा का लाभ राज्य के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के लिए दूरस्थ आदिवासी और वनांचल क्षेत्रों में नवीन महाविद्यालय खोले जा रहे हैं। इसके साथ ही औद्योगिक प्रतिष्ठानों और शैक्षणिक संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जा रहा है, जिससे युवाओं के लिए इंटर्नशिप और प्लेसमेंट के द्वार खुल सकें। शैक्षणिक क्षेत्र को और सशक्त बनाने के लिए चार वर्षीय बी.एड. और बी.पी.एड. जैसे एकीकृत व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का संचालन भी शुरू किया जा रहा है।

अनुभवी मार्गदर्शन और सुदृढ़ शिक्षक तंत्र

शिक्षा की गुणवत्ता तभी संभव है जब मार्गदर्शन देने वाले हाथ कुशल हों। इसी सोच के साथ उद्योग जगत और व्यावहारिक क्षेत्रों के विशेषज्ञों को 'प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस' के रूप में महाविद्यालयों से जोड़ने की योजना बनाई गई है। इसके साथ ही, उच्च शिक्षा विभाग में अध्यापन व्यवस्था को नई ऊर्जा देने के लिए शासकीय महाविद्यालयों में प्राध्यापक के 595 पदों पर सीधी भर्ती प्रक्रिया को तेजी से पूर्ण किया जा रहा है।

एक उज्ज्वल भविष्य की नींव

छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा का यह कायाकल्प केवल नीतिगत बदलाव नहीं, बल्कि लाखों युवाओं के सपनों को उड़ान देने की एक ठोस पहल है। अनुसंधान, कौशल विकास, उद्योग-समन्वय और सुदृढ़ शिक्षक तंत्र के मेल से छत्तीसगढ़ तेजी से देश का एक प्रमुख 'एजुकेशन हब' बनने की ओर अग्रसर है।

बांग्लादेश का चीनी दांव, भारत के लिए कितना खतरा?

महेन्द्र तिवारी

दक्षिण एशिया की बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों में बांग्लादेश का चीन से 20 जे-10सीई लड़ाकू विमान खरीदने की दिशा में बढ़ना भारत के लिए एक महत्वपूर्ण सामरिक घटनाक्रम है। बांग्लादेश सरकार ने चीन के साथ इस सौदे के लिए प्रारंभिक समझौते का मसौदा तैयार किया है और इसे अंतिम स्वीकृति के लिए संबंधित विभागों के सामने रखा गया है। प्रस्तावित सौदे की कीमत लगभग 2 .3 अरब डॉलर बताई जा रही है।

बांग्लादेश लंबे समय से चीन से सैन्य उपकरण खरीदता रहा है। पिछले दो दशकों में चीन वहां नौसैनिक पोत, टैंक, मिसाइल प्रणालियां और लड़ाकू विमान उपलब्ध करा चुका है। जे-10सीई की खरीद इस सैन्य संबंध को एक नए स्तर पर ले जा सकती है। पाकिस्तान के बाद बांग्लादेश इस विमान का दूसरा विदेशी संचालक बन सकता है। इससे भारत के पश्चिमी और पूर्वी दोनों पड़ोस में चीनी लड़ाकू विमान की मौजूदगी स्थापित होगी।

इस सौदे की आर्थिक कीमत भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। वर्ष 2025 में सामने आए दस्तावेजों के अनुसार 20 विमानों की मूल कीमत लगभग 1.2 अरब डॉलर आंकी गई थी, जबकि प्रशिक्षण, उपकरण, परिवहन, रखरखाव, बीमा, आधारभूत ढांचे और अन्य खर्च जोड़ने पर पूरी परियोजना की कीमत लगभग 2.2 अरब डॉलर तक पहुंचती है। भुगतान को कई वर्षों में फैलाने की योजना बताई गई थी।

बांग्लादेश में इस खरीद के पक्ष में मई 2025 के भारत पाकिस्तान संघर्ष का उल्लेख भी किया जा रहा है। वहां के एक वरिष्ठ सलाहकार ने जे-10सीई के प्रदर्शन को खरीद के निर्णय से जोड़ते हुए भारतीय राफेल के विरुद्ध उसकी कथित सफलता का हवाला दिया है। लेकिन इस दावे को अंतिम सत्य मानना उचित नहीं होगा। स्वतंत्र सैन्य विश्लेषणों में यह स्पष्ट किया गया है कि उस संघर्ष में विमानों की सफलता केवल उनकी तकनीकी क्षमता पर निर्भर नहीं थी। रडार, सूचना तंत्र, हवाई चेतावनी, मिसाइल, संचार और युद्ध संचालन की पूरी व्यवस्था ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

जे-10सीई निस्संदेह आधुनिक और सक्षम लड़ाकू विमान है। इसमें सक्रिय इलेक्ट्रॉनिक स्कैनिंग रडार और लंबी दूरी की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों जैसी आधुनिक प्रणालियां हैं। इसलिए भारत को इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। हालांकि भारत के पास राफेल सहित कई आधुनिक लड़ाकू विमान, लंबी दूरी की मिसाइलें, हवाई चेतावनी प्रणालियां और मजबूत वायु रक्षा व्यवस्था है।

भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती केवल 20 विमानों की संख्या नहीं, बल्कि दक्षिण एशिया में चीन के बढ़ते सैन्य प्रभाव की है। भारत को बांग्लादेश के साथ कूटनीतिक संबंधों को मजबूत करने के साथ स्वदेशी रक्षा उत्पादन, आधुनिक रडार, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध क्षमता और वायुसेना के आधुनिकीकरण पर भी तेजी से काम करना होगा।

बांग्लादेश का यह कदम भारत के लिए तत्काल युद्ध का संकेत नहीं है, लेकिन बदलते क्षेत्रीय शक्ति संतुलन की स्पष्ट चेतावनी अवश्य है। आने वाले समय में भारत की सुरक्षा केवल हथियारों की संख्या से नहीं, बल्कि तकनीकी श्रेष्ठता, मजबूत कूटनीति और दूरदर्शी सामरिक नीति से तय होगी।

दुर्ग वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अग्रवाल का अनोखा आदेश : एएसपी के अधीन काम करेंगे एएसपी

प्रदेश पुलिस महकमे में कौतूहल और चर्चा का विषय, दुर्ग जिले में यातायात विभाग हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक का कोई पृथक पद स्वीकृत नहीं

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

'छत्तीसगढ़ के पुलिस महकमे में एक अनोखा और चर्चा का विषय बना प्रशासनिक आदेश सामने आया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) दुर्ग, विजय अग्रवाल ने पुलिस मुख्यालय नवा रायपुर से प्राप्त मार्गदर्शन के परिपेक्ष में आदेश जारी कर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) ऋचा मिश्रा को दुर्ग जिला यातायात का प्रभार सौंपा है।

दिलचस्प बात यह है कि इसी आदेश में यह भी उल्लेख किया गया है कि पूर्व से पदस्थ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कौशलेन्द्र देव पटेल अब ऋचा मिश्रा के अधीन कार्य संपादित करेंगे। समान रैंक (अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक) के अधिकारी को ही दूसरे अधिकारी के अधीन तैनात किए जाने का यह फैसला प्रदेश पुलिस महकमे में कौतूहल और चर्चा का विषय बना हुआ है। बिना स्वीकृत पद के तैनाती और प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल विभागीय सूत्रों और प्रशासनिक व्यवस्था के अनुसार, दुर्ग जिले में यातायात विभाग हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) का कोई पृथक पद स्वीकृत नहीं है।

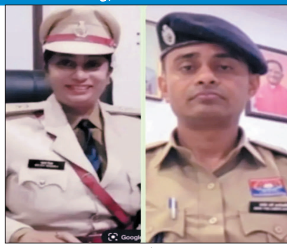

आपसी विभागीय व्यवस्था के तहत पुलिस मुख्यालय द्वारा यहाँ एएसपी स्तर के अधिकारी को तैनात किया जाता है, जबकि उनका वेतन किसी अन्य स्वीकृत पद से आहरित होता है।कौशलेन्द्र देव पटेल पुलिस मुख्यालय के आदेश पर दुर्ग पहुँचकर एएसपी यातायात का कार्यभार संभाल रहे थे। ऐसे

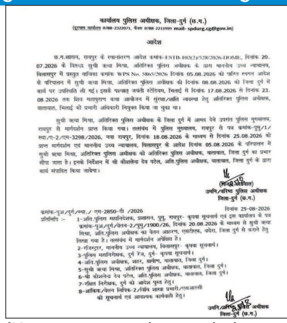

कार्यालय पुलिस अधीक्षक, जिला-दुर्ग (छ.ग.)
(दूरभाष कार्यालय 0788-2322071, फैक्स 0788-2211999 mail- spdurg.cg@gov.in)

आदेश

छ.ग.शासन, रायपुर के स्थानांतरण आदेश क्रमांक-ESTB-102(2)/528/2026-HOME, दिनांक 20.07.2026 के विरुद्ध सुश्री ऋचा मिश्रा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के द्वारा माननीय उच्च न्यायालय, बिलासपुर में प्रस्तुत याचिका क्रमांक WPS No. 5865/2026 दिनांक 05.08.2026 को पारित स्थगन आदेश के परिपालन में सुश्री ऋचा मिश्रा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक की दिनांक 08.08.2026 को जिला दुर्ग में कार्य पर उपस्थिति ली गई। इसके पश्चात् जयंती स्टेडियम, भिलाई में दिनांक 17.08.2026 से दिनांक 23.08.2026 तक शिव महापुराण कथा आयोजन में सुरक्षा/शांति व्यवस्था हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, यातायात, भिलाई को प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया जा चुका था।

सुश्री ऋचा मिश्रा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के जिला दुर्ग में आमद देने उपरांत पुलिस मुख्यालय, रायपुर से मार्गदर्शन प्राप्त किया गया। तत्संबंध में पुलिस मुख्यालय, रायपुर से पत्र क्रमांक-पुमु/1/स्था/ए-2/एम-3298/2026, नवा रायपुर, दिनांक 18.08.2026 के माध्यम से दिनांक 25.08.2026 को प्राप्त मार्गदर्शन एवं माननीय उच्च न्यायालय, बिलासपुर के आदेश दिनांक 05.08.2026 के परिपालन में सुश्री ऋचा मिश्रा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, यातायात, जिला दुर्ग का प्रभार सौंपा जाता है। इनके निर्देशन में श्री कौशलेन्द्र देव पटेल, अति.पुलिस अधीक्षक, यातायात, जिला दुर्ग के द्वारा कार्य संपादित किया जावेगा।

(विजय अग्रवाल)
उमनि/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक
जिला-दुर्ग (छ.ग.)

क्रमांक-पुअ/दुर्ग/स्था./ एम-2850-डी /2026
दिनांक 25-08-2026
प्रतिलिपि :- 1-अति.पुलिस महानिदेशक, प्रशासन, पुमु, रायपुर- कृपया सूचनार्थ एवं इस कार्यालय के पत्र क्रमांक-पुअ/दुर्ग/वेतन-2/पुमु/1900/26, दिनांक 20.08.2026 के माध्यम से सुश्री ऋचा मिश्रा, अति.पुलिस अधीक्षक का वेतन आहरण, एसटीएफ, बघेरा, जिला दुर्ग से कराने हेतु लिखा गया है। तत्संबंध में मार्गदर्शन अपेक्षित है।
2-रजिस्ट्रार, माननीय उच्च न्यायालय, बिलासपुर- कृपया सूचनार्थ।
3-पुलिस महानिरीक्षक, दुर्ग रेंज, दुर्ग- कृपया सूचनार्थ।
4-अति.पुलिस अधीक्षक, शहर, ग्रामीण, यातायात, जिला दुर्ग।
5-सुश्री ऋचा मिश्रा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, यातायात, जिला दुर्ग।
6-श्री कौशलेन्द्र देव पटेल, अति.पुलिस अधीक्षक, यातायात, जिला दुर्ग।
7-रक्षित निरीक्षक, दुर्ग को आदेश पुस्त हेतु।
8-आंकिक/वेतन लिपिक-2/विधि शाखा प्रभारी/एसआरसी को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।

उमनि/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक
जिला-दुर्ग (छ.ग.)

में बिलासपुर उच्च न्यायालय के स्थगन आदेश के बाद जब ऋचा मिश्रा की दुर्ग में वापसी हुई, तो प्रशासनिक हलकों में यह चर्चा तेज है कि कौशलेन्द्र देव पटेल के मान-सम्मान और पद की गरिमा को ध्यान में रखते हुए उन्हें किसी अन्य स्थान पर स्थानांतरित किया जाना चाहिए था। लेकिन दोनों अधिकारियों को एक ही प्रभार में रखकर एक को दूसरे के अधीन करने से आदेश की किरकिरी हो रही है।

बिलासपुर हाईकोर्ट के आदेश और पीएचक्यू मार्गदर्शन का परिपालन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग, विजय अग्रवाल के हस्ताक्षर से जारी आधिकारिक आदेश के अनुसार घटनाक्रम इस प्रकार रहा:स्थानांतरण एवं हाईकोर्ट स्थगनः छत्तीसगढ़ शासन गृह विभाग के स्थानांतरण आदेश (क्रमांक एरळइ-102(2)/528/2026-HOME, 20 जुलाई 2026 के विरुद्ध सुश्री ऋचा मिश्रा (शर्मा), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने बिलासपुर उच्च न्यायालय में याचिका (WPS No. 5865/2026) दायर की थी। 05 अगस्त 2026 को हाईकोर्ट द्वारा पारित स्थगन आदेश (Stay Order) के परिपालन में 08 अगस्त 2026 को उनकी जिला दुर्ग में उपस्थिति दर्ज की गई।अंतरिम सुरक्षा व्यवस्थाः इस दौरान जयंती स्टेडियम भिलाई में 17 अगस्त से 23 अगस्त 2026 तक आयोजित श्री शिव महापुराण कथा में सुरक्षा व शांति व्यवस्था हेतु एएसपी यातायात भिलाई को प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया था। पीएचक्यू का मार्गदर्शन व नया प्रभारः सुश्री ऋचा मिश्रा की आमद के पश्चात पुलिस मुख्यालय नवा रायपुर से पत्राचार कर मार्गदर्शक मांगा गया था।

पीएचक्यू के पत्र क्रमांक पुमु/1/स्था/ए-2/एम-3298/2026 (18 अगस्त 2026, प्राप्त 25 अगस्त 2026) एवं हाईकोर्ट के आदेश के परिपालन में सुश्री ऋचा मिश्रा को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, यातायात, जिला दुर्ग का प्रभार सौंपा गया है।अधीनस्थ कार्यप्रणालीः आदेश में स्पष्ट किया गया है कि अब कौशलेन्द्र देव पटेल (अति. पुलिस अधीक्षक, यातायात, जिला दुर्ग), सुश्री ऋचा मिश्रा के निर्देशन में कार्य संपादित करेंगे।पुलिस महकमे में बनी चर्चा की मिसाल समान पदनाम और वेतनमान वाले दो अधिकारियों को एक-दूसरे का अधीनस्थ बनाए जाने का यह आदेश न केवल दुर्ग जिले में, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ पुलिस विभाग में चर्चा का केंद्र बना हुआ है।

खास खबर

सेक्टर-7 में डोम शेड के लिए हुआ भूमिपूजन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

क्षत्रिय कल्याण सभा भिलाई नगर द्वारा महाराणा प्रताप भवन सेक्टर 07 के परिसर में 91 फीट X 71 फीट साइज का डोम शेड निर्माण के लिए भूमि पूजन का कार्यक्रम पंडित रजनीश मिश्रा ने सम्पन्न कराया। इस अवसर पर क्षत्रिय कल्याण सभा भिलाई नगर के अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह व सचिव सुनील कुमार सिंह यजमान के तौर पर भूमि पूजन कर प्रक्रिया संपन्न कराई गई। इस अवसर पर क्षत्रिय कल्याण सभा भिलाई नगर के कोषाध्यक्ष संजय राठौर,सह सचिव विजय सिंह, ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह, अरविन्द सिंह, श्रीमती करुणा सिंह, अशोक सिंह, अतेंद्र सिंह, राजेश सिंह, अनुज सिंह, हर्षवर्धन सिंह, सतीश सिंह, सहित समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

सीएसवीटीयू में राष्ट्रीय खेल दिवस पर हॉकी के जादूगर ध्यानचंद को दी श्रद्धांजलि, गतका विजेता छात्रा सम्मानित

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस उत्साह और खेल भावना के साथ मनाया गया। कुलपति डॉ. अरुण अरोरा ने दीप प्रज्जवलित कर और मेजर ध्यानचंद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस वर्ष खेल दिवस का आयोजन शिक्षा मंत्रालय और अकउळए के निर्देश पर "खेलेगा भारत, जीतेगा भारत" थीम और "Tribute, Play and Move" मंत्र के साथ किया जा रहा है।

कार्यक्रम में अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय गतका प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतने वाली सीएसवीटीयू की छात्रा किरत कौर को सम्मानित किया गया। कुलपति ने उन्हें पदक और शॉल-श्रीफल प्रदान कर बधाई दी। कुलपति डॉ. अरोरा ने कहा कि खेल अनुशासन, नेतृत्व और आत्मविश्वास का आधार हैं। विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ खेलों में भी अवसर देगा। खेल प्रभारी किशोर कुमार भारद्वाज ने बताया कि खेल दिवस पर शुरू हुई गतिविधियां 2 सितंबर तक चलेंगी, जिसमें विभिन्न खेल और फिटनेस कार्यक्रम होंगे। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. राजेश लालवानी, यूटीडी निदेशक डॉ. पंकज मिश्रा, खेल प्रभारी डॉ. हरीश घृतलहरे सहित बड़ी संख्या में अधिकारी, शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जनभागीदारी से होगा बढ़ा जल संचयन 2726 सोक पिट और 66,500 ट्रेंच बढ़ा

कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में दुर्ग में जल सरंक्षण को मिली रफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

बारिश की हर बूंद को बचाने के लिए जिला में जल-सुरक्षित बनाने की दिशा में कलेक्टर अभिजीत सिंह के मागदर्शन में जल संरक्षण अभियान को जनभागीदारी से नई सुरक्षा मिली है। ग्रामीण इलाकों में झील गहरीकरण, चेकडेम, डबरी, जल अवशोषण ट्रेंच, सोक पिट, कोयला नाली और कुआं जैसे विभिन्न जल संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है। रोजगार एवं विकास द्वारा विकसित भारत-जी रामजी योजना से जुड़े श्रमिकों और महिलाओं की भागीदारी ने जल संरक्षण और भू-जल पुनर्भरण की पहल की है।

अभियान के तहत बारिश के पानी को गांव में ही रोक और जमीन पर खोदकर देखा जा रहा है। पुराने तालाबों का गहराईकरण कर उनकी जलधारण क्षमता तैयार की जा रही है। चेकडेम और डबरियों के माध्यम से वर्षा जल को रोककर सरकार तक पानी पाइपलाइन की व्यवस्था मजबूत की जा रही है। जहां पर आवासीय और सार्वजनिक स्थानों पर रहने वाले लोगों के लिए जमीन में नामांकन के लिए सोक पिट तैयार किए जा रहे हैं।

स्वप्रेरणा से 2,726 सोख पिट से भू-जल रिचार्ज को बढ़ावा' : जिले के क्षेत्रीय प्रोजेक्ट में अब तक 2,726 सोक पिट का निर्माण पूरा हो चुका है। इनमें दुर्ग में 727, धमधा में 1,096 और पाटन में 903 सोक पिट शामिल हैं। इनमें वर्षा एवं घरेलू उपयोग के पानी को जमीन में उतारकर भू-जल पुनर्भरण को बढ़ावा दिया जा रहा है।

66,500 ट्रेंच से बारिश के पानी को जमीन पर दर्ज किया : जल संरक्षण की दिशा में खाई का निर्माण भी बड़े पैमाने पर किया गया है। जिले में कुल 66,500 ट्रेंच का निर्माण पूरा हो चुका है। इनमें जिला पंचायत दुर्ग में 24,000, धमधा में 27,500 और पाटन में 15,000 ट्रेंच शामिल हैं। ट्रेंच वर्षा जल के बहाव को धीमा कर उसे जमीन में रिसने का अवसर देते हैं। इससे जल संरक्षण के साथ भू-जल पुनर्भरण और मिट्टी के कटाव को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

एक बारिश में 66,500 वाट से 13.3 करोड़ लीटर पानी जमीन में समाने की क्षमता : वर्षा जल को जमीन में सूचीबद्ध करने के लिए जल अवशोषण ट्रेंच भी प्रभावशाली माध्यम बन रहे हैं। एक ग्राम पंचायत क्षेत्र में 66,500 वाट का निर्माण किया गया है। प्रत्येक वाट की लंबाई 2 मीटर, चौड़ाई 1 मीटर और गहराई 1 मीटर है तथा इसकी जल अवशोषण क्षमता लगभग 2 घन मीटर है। इस तरह 66,500 वाट की कुल जल अवशोषण क्षमता करीब 1,33,000 घन मीटर यानी 13.3 करोड़ लीटर है। एक अच्छी वर्षा में इतनी मात्रा में पानी को जमीन में समेटने की क्षमता तैयार हो गई है। इस बारिश के पानी के बहाव को कम करने के साथ भू-जल पुनर्भरण को बढ़ावा मिलेगा।

विकसित भारत-जी राम जी योजना से जल संरक्षण के कार्यों को गति : विकसित भारत-जी राम जी योजना से जुड़े श्रमिकों के तहत भी जल संरक्षण की दिशा में विभिन्न कार्य कार्यकर्ता जा रहे हैं। इनमें 246 तालाब निर्माण, 71 तालाब जीर्णोद्धार, 142 तालाब गहरीकरण, 28 तालाब निर्माण और 14 तालाबों के रिसाइकिलिंग कार्य शामिल हैं। इन कार्यों से वर्षा जल संरक्षण, जल विक्रेता व्यवस्था एवं भू-जल पुनर्भरण को लेकर बैठक की अपेक्षा है।

नवा तरिया से बन रहे नया जलस्रोत : 112 नवा तरिया अभियान के तहत तालाब गहरीकरण और डबरी निर्माण को भी प्राथमिकता दी गई है। जिले में 30 डबरी निर्माण कार्य किये गये हैं। इनमें दुर्ग जिले में 7, धमधा में 18 और पाटन में 5 डबरी शामिल हैं। इसके साथ ही अमृत सरोवर और अन्य जल अनुबंधों के निर्माण एवं गहरीकरण के कार्य भी जारी हैं।

खेत और जमीन दोनों को फायदा जल संरक्षण का सीधा लाभ खेती और ग्रामीण उत्पादकों से मिलने की उम्मीद है। तालाबों और होटलों में पानी की बढ़ती मात्रा से सींच सुविधा मजबूत होगी। जल और खाई के माध्यम से भू-जल रिचार्ज को बढ़ावा मिलेगा, जिससे भविष्य में किसानों के लिए समुद्र तट के जल क्षेत्र की संभावनाएं बेहतर हो सकेंगी। बारिश के कारण पानी का बहाव कम होने से मिट्टी के कटाव पर भी असर पड़ेगा। इस तरह की जल संरक्षण संरचनाएं खेत, मिट्टी और भू जल-तीनों के लिए उपयोगी साबित हो रही हैं।

जनभागीदारी निर्माण अभियान की ताकत : अभियान की सबसे बड़ी विशेषताएँ और महिलाओं की सक्रिय भागीदारी है। जल संरक्षण को केवल सरकारी निर्माण कार्य तक सीमित नहीं रखा गया है, इसे आईएसओ जिम्मेदारी से जोड़ा गया है। अपने ग्रामीण गांव की जरूरत के मुताबिक जल स्तर के निर्माण और संरक्षण में सहयोग कर रहे हैं। इससे जल संरक्षण के प्रति जागरूकता, विकास के साथ भविष्य में पानी सुरक्षित रखने की सामूहिक सोच भी मजबूत हो रही है।

तरीघाट में मुक्तिधाम नहीं, खुले आसमान के नीचे हो रहा अंतिम संस्कार, ग्रामीणों में निराशा

नई दृष्टिबिंदु / पाटन

ब्लॉक मुख्यालय पाटन के अंतिम छोर पर खारून नदी के किनारे बसे ग्राम तरीघाट में वर्षों से मुक्तिधाम की समस्या बनी हुई है। गांव में वर्तमान में एक भी सरकारी मुक्तिधाम नहीं होने के कारण ग्रामीणों को मृतकों का अंतिम संस्कार खुले आसमान के नीचे अथवा वैकल्पिक टीन शेड में करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। बारिश के मौसम में यह समस्या और गंभीर हो जाती है।

ग्रामीणों का कहना है कि गांव में कई आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हैं, लेकिन अंतिम संस्कार जैसी बेहद जरूरी व्यवस्था का अभाव चिंता का विषय है। उनका कहना है कि व्यक्ति को अंतिम विदाई भी सम्मानजनक और सुरक्षित वातावरण में मिलनी चाहिए, लेकिन मुक्तिधाम के अभाव में परिजनों को मौसम की विपरीत परिस्थितियों के बीच अंतिम संस्कार करना पड़ता है। गांव में पहले से निर्मित मुक्तिधाम काफी जर्जर हो चुका था। भवन की स्थिति ऐसी थी कि कभी भी दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती थी। इसके चलते तत्कालीन ग्राम पंचायत ने प्रस्ताव पारित कर निर्धारित दावा-आपत्ति प्रक्रिया पूरी करने के बाद पुराने मुक्तिधाम को डिस्मेंटल कर दिया था। इसके बाद ग्राम पंचायत के पूर्व पदाधिकारियों द्वारा मनरेगा योजना के तहत नए मुक्तिधाम एवं प्रतीक्षालय निर्माण का प्रस्ताव शासन-प्रशासन के समक्ष रखा गया। हालांकि, वर्षों बीत जाने के बाद भी स्थायी मुक्तिधाम का निर्माण नहीं हो सका है।

तरीघाट बड़ी आबादी वाला गांव है। वर्तमान में वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर टीन शेड में अंतिम संस्कार किया जाता है। ग्रामीणों के मुताबिक यह व्यवस्था पर्याप्त नहीं है। बारिश के दौरान टीन शेड भी पूरी तरह राहत नहीं दे पाता, जबकि गर्मी में तेज धूप के कारण भी लोगों को परेशानी होती है। ग्रामीणों का कहना है कि मुक्तिधाम निर्माण को लेकर पंचायत और जनप्रतिनिधियों के माध्यम से कई बार शासन-प्रशासन को आवेदन एवं निवेदन किया जा चुका है, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं हो पाया है।

ग्राम पंचायत की ओर से मुक्तिधाम एवं प्रतीक्षालय निर्माण के लिए मनरेगा योजना के तहत प्रस्ताव भेजे जाने की बात कही गई है। ग्रामीणों को उम्मीद है कि शासन स्तर से जल्द स्वीकृति मिलने के बाद गांव में स्थायी मुक्तिधाम का निर्माण हो सकेगा। ग्रामीणों का कहना है कि मुक्तिधाम कोई विलासिता नहीं, बल्कि गांव की आवश्यक मूलभूत सुविधा है। शासन-प्रशासन को इस समस्या को प्राथमिकता देते हुए जल्द निर्माण की स्वीकृति देनी चाहिए, ताकि ग्रामीणों को अंतिम संस्कार के दौरान होने वाली परेशानियों से राहत मिल सके।

सड़क की दुर्दशा पर कांग्रेस का आक्रोश, PWD और नगर निगम को उग्र आंदोलन की चेतावनी

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

शहर जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग के अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल और पश्चिम ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आनंद कपूर ताम्रकार के नेतृत्व में पश्चिम ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 57 उरला पश्चिम, वार्ड क्रमांक 58 उरला पूर्व, गया नगर एवं रामनगर क्षेत्र का जनसंपर्क कर सड़कों का आवागमन निरीक्षण दौरा किया गया।

निरीक्षण के दौरान पाया गया कि चंडी मंदिर से गया नगर, रामनगर, उरला होते हुए राम मैरिज गार्डन तक लगभग 8 किलोमीटर लंबी मुख्य सड़क पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। स्थिति इतनी बदतर है कि यह कहना मुश्किल है कि गड्ढे में सड़क है या सड़क में गड्ढा। जगह-जगह नालियां धंस गई हैं, बड़े-बड़े जानलेवा गड्ढे हो गए हैं, जिससे आम नागरिकों, स्कूली बच्चों और बुजुर्गों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ज्ञात हो कि दो दिन पूर्व ही दो ई-रिक्शा इन गड्ढों में पलट गई, जिसमें सवार यात्रियों को गंभीर चोटें आई। यह हादसा सीधे-सीधे ढहऊविभाग और नगर निगम प्रशासन की घोर लापरवाही और भ्रष्टाचार को उजागर करता है। इस अवसर पर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल जी ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि यह दुर्ग शहर का दुर्भाग्य है कि शहर के हृदय स्थल से लगे 8 किमी के मार्ग की यह दुर्दशा है। हमने कई बार प्रशासन को लिखित में अवगत कराया, लेकिन PWD प्रशासन कुंभकर्णी नींद में सोया हुआ है। भाजपा की

सरकार में सड़कें नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार के गड्ढे खोदे जा रहे हैं। जनता की जान के साथ खिलवाड़ हो रहा है। इस सड़क के नवनिर्माण का कार्य प्रारंभ नहीं हुआ, तो कांग्रेस पार्टी सड़क पर उतरकर उग्र आंदोलन करेगी, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

पश्चिम ब्लॉक अध्यक्ष आनंद कपूर ताम्रकार ने कहा कि यह केवल सड़क का मुद्दा नहीं, जनसुरक्षा का मुद्दा है और प्रशासन को तत्काल संज्ञान लेकर सड़क का नवनिर्माण कार्य प्रारंभ करना चाहिए।

धीरज बाकलीवाल अध्यक्ष, शहर जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग, आनंद कपूर ताम्रकार अध्यक्ष, पश्चिम ब्लॉक, सुश्री जमुना साहू पूर्व पार्षद, बृजलाल पटेल, बिजेंद्र भारद्वाज, लीखन साहू पूर्व नेता प्रतिपक्ष, सुनीत घोष] प्रीतम देशमुख, मनीष सोनवानी, अमित साहू, दीपक पटेल, छबिलाल साहू, हिमांशु शर्मा, राकेश साहू, पंकज साहू सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी एवं कांग्रेसजन मौजूद थे।

जागरूकता का संदेश खेल रैली के साथ विद्यार्थियों ने दिया स्वस्थ, अनुशासित और विजयी जीवन का संदेश, प्रिंसिपल 11शर स्टूडेंट 11 मैच में शिक्षक रहे विजेता

राष्ट्रीय खेल दिवस : पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय दुर्ग में ताइक्वांडो व योग प्रदर्शन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय दुर्ग में विविध खेल गतिविधियों का आयोजन उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में खेल भावना, अनुशासन, आत्मविश्वास, शारीरिक स्वास्थ्य तथा टीम भावना को विकसित करना रहा। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने योग एवं ताइक्वांडो का प्रभावशाली प्रदर्शन करने के साथ खेल रैली के माध्यम से खेलों के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ हॉकी के महान खिलाड़ी एवं 'हॉकी के जादूगर' मेजर ध्यानचंद के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय हॉकी कोच सैयद तनवीर अकील ने मेजर ध्यानचंद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों से उनके जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मेजर ध्यानचंद ने अपने समर्पण, अनुशासन, निरंतर

अभ्यास और अद्भुत खेल प्रतिभा के बल पर भारत को विश्व स्तर पर गौरवान्वित किया। विद्यार्थियों को भी अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहते हुए खेलों को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए।

विद्यालय की प्राचार्य पुष्पा बड़ा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए मुख्य अतिथि, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि खेल केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण का महत्वपूर्ण साधन हैं। खेल विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व, धैर्य, आत्मविश्वास और संघर्ष करने की क्षमता विकसित करते हैं। खेल दिवस के आयोजन में विशेष रूप से राष्ट्रीय कोच सैयद तनवीर अकील, प्राचार्य पुष्पा बड़ा, मुख्याध्यापक कमल नारायण सोनी उपस्थित रहे। मुख्य सूत्रधार सुरेश कुमार खेल शिक्षक रहे।

इस अवसर पर आराध्य उपाध्याय ने खेल शपथ का वाचन कराया। विद्यार्थियों ने खेल भावना, अनुशासन, ईमानदारी तथा खेल के नियमों का पालन करने की शपथ ली। वासु उमरे एवं सस्मित ने खेलों के महत्व और राष्ट्रीय खेल दिवस की प्रासंगिकता पर प्रभावशाली भाषण प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम का विशेष आकर्षण विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत योग एवं ताइक्वांडो प्रदर्शन रहा। श्रद्धा मैडम के नेतृत्व में विद्यार्थियों ने योग की विभिन्न मुद्राओं एवं आसनों का सामूहिक प्रदर्शन कर शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य का संदेश दिया। वहीं रुक्मणी मैडम के नेतृत्व में विद्यार्थियों ने ताइक्वांडो की विभिन्न तकनीकों एवं आत्मरक्षा कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों के आत्मविश्वास, अनुशासन और तालमेल ने उपस्थित दर्शकों को प्रभावित किया। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर विद्यालय परिसर में खेल रैली का भी आयोजन किया गया। वरिष्ठ शिक्षक एमके बोरकर ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक रैली में भाग लेते हुए खेलों को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. अजय आर्य ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा, 'हौसले की उड़ान हो, आंखों में अरमान हो, हर खिलाड़ी के दिल में जीत का तूफान हो।' उन्होंने कहा कि खेल का वास्तविक अर्थ केवल जीत और हार नहीं, बल्कि निरंतर प्रयास, अनुशासन, आत्मविश्वास और अपनी क्षमताओं को बेहतर बनाने की यात्रा है। खेल हमें हार से सीखना और जीत को विनम्रता से स्वीकार करना सिखाते हैं। विद्यालय के खेल शिक्षक सुरेश कुमार ने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि का परिचय प्रस्तुत किया तथा अंत में धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले मुख्य अतिथि, प्राचार्य, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं समस्त सहयोगी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में श्रद्धा, रुक्मणी, भूमिका, गायत्री, प्रणव सोनी, अवितेश, शिल्पा, ज्योति जायसवाल, मोनिका, मीणा, खत्री, अल्तमश, श्रीकेंद्र सहित विद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ। राष्ट्रीय खेल दिवस का यह आयोजन विद्यार्थियों में खेलों के प्रति उत्साह, स्वस्थ जीवनशैली और राष्ट्र के लिए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की भावना को जागृत करने वाला रहा। क्रिकेट मैच में शिक्षकों ने दिखाया हुनर शिक्षकों के 107 रन के टारगेट में विद्यार्थी 82 रन ही बना पाए। कमल नारायण सोनी आशुतोष सिंह, डॉ अजय आर्य, राजेश चंद्राकर, विकास यादव, एमके बोरकर, सुरेश कुमार अल्तमश, डीके यादव रेखेंद्र सिंह आदि ने आदि शिक्षकों ने इस अवसर पर आयोजित क्रिकेट मैच में विद्यार्थियों के साथ भाग लिया

फिल्म इंडस्ट्री में काम करना हमेशा एक सौभाग्य जैसा लगा

अभिनेत्री राशि खन्ना, जिन्हें हाल ही में फिल्म '120 बहादुर' में विशेष भूमिका में देखा गया था, ने भारतीय फिल्म उद्योग में अपने 13 साल पूरे कर लिए हैं। अभिनेत्री ने कहा कि 'मद्रास कैफे' से अपने करियर की शुरुआत के बाद से उन्हें ऐसा लगता है कि समय पंख लगाकर उड़ गया क्योंकि उन्होंने हमेशा अपने काम को एक विशेषाधिकार के रूप में देखा है। यह फिल्म 2013 में रिलीज हुई थी और इसी ने राशि खन्ना के लिए चार अलग-अलग फिल्म उद्योगों में काम करने का रास्ता खोला। इसके बाद वह देश की चर्चित फिल्मों और परियोजनाओं का हिस्सा बनीं।

अपने सफर को याद करते हुए राशि ने कहा, 'तेरह साल एक लंबा समय होता है लेकिन यह बहुत तेजी से बीत गया क्योंकि काम करना कभी विशेषाधिकार लगना बंद नहीं हुआ। 'मद्रास कैफे' को याद करने पर मुझे एहसास होता है कि मैंने शुरुआत क्यों की थी। इस फिल्म ने मुझे ऐसी कहानियां कहने का अवसर दिया जो मेरे लिए मायने रखती हैं, और मैं उन सभी सहयोगियों की आभारी हूं जिन्होंने इस सफर में मेरा साथ दिया।' अपने डेब्यू के बाद से राशि ने हिंदी, तमिल, तेलुगु और मलयालम सिनेमा में काम करते हुए एक मजबूत पहचान बनाई है। उनकी पीढ़ी के चुनिंदा कलाकारों में से वह एक हैं, जिन्होंने चारों फिल्म उद्योगों में अपनी मौजूदगी कायम रखी है। यह विविधता संयोग नहीं बल्कि उनके सोच-समझकर लिए गए फैसलों का परिणाम है, जिसने उन्हें एक उभरती हुई अभिनेत्री से पैन-इंडिया स्टार तक पहुंचाया। वर्तमान में अभिनेत्री राज और डीके की लोकप्रिय वेब सीरीज 'फर्जी' के दूसरे सीजन की शूटिंग कर रही हैं। इसमें वह एक बार फिर आरबीआई अधिकारी मेघा व्यास की भूमिका में नजर आएंगी। इस सीरीज में उनके साथ शाहिद कपूर और विजय सेतुपति भी दिखाई देंगे। राज और डीके द्वारा निर्मित और निर्देशित यह क्राइम थ्रिलर एक ऐसे कलाकार की कहानी है, जो आर्थिक परेशानियों से निकलने के लिए नकली नोट बनाने के रास्ते पर चल पड़ता है। राशि खन्ना जल्द ही तमिल एक्शन थ्रिलर 'धर्मन' में सुपरस्टार रजनीकांत के साथ नजर आएंगी। इसके अलावा वह निर्देशक अनीस बज्मी की अगली कॉमेडी-ड्रामा फिल्म में अभिनेता अक्षय कुमार के साथ भी दिखाई देंगी।

'जीवन भीमा योजना' का ट्रेलर रिलीज, डबल रोल में फिर कॉमेडी करते दिखे अरशद

फिल्म 'जीवन भीमा योजना' का ट्रेलर मेकर्स ने रिलीज कर दिया है। फिल्म में अरशद वारसी डबल रोल में नजर आने वाले हैं। ट्रेलर में कॉमेडी का जबरदस्त तड़का है। वहीं संजीदा शेख भी यहां 'धमाल 4' के बाद एक बार फिर से कॉमेडी करती नजर आएंगी।

फिल्म 'जीवन भीमा योजना' में अरशद को दोहरे किरदार 'जीवन' और 'भीमा' के रूप में देखा जाएगा। इसके साथ ही ट्रेलर में कई किरदार और उनके बीच के कंफ्यूजन को दिखाया गया है। ट्रेलर के पहले सीन में लगता है जैसे कोई किसी को मारने की कोशिश कर रहा है। दूसरे सीन में जीवन (अरशद) की पत्नी योजना (संजीदा) पति के निधन पर नाटकीय अंदाज में रोती दिखाई देती हैं। इस सीन में पता चलता है कि जीवन ने एक करोड़ रुपये का बीमा कराया था। वहीं अपने निधन से पहले वह 1 करोड़ का दूसरी बीमा भी कराकर गए थे। इसके बाद एंट्री होती है विनायक (विजय राज) की, जो पैसे के लिए संजीदा के पीछे पड़े हुए हैं। इसी दौरान उनका सामना भीमा (अरशद) से होता है, जिसे वह जीवन समझते हैं। फिर होता है कॉमेडी में लिपटा एक्शन और किरदारों के बीच तगड़ा कंफ्यूजन।

फिल्म को लेकर क्या बोले निर्देशक? हाल ही में फिल्म पर बात करते हुए निर्देशक अभिषेक डोगरा ने कहा था, 'जीवन भीमा योजना उन आम लोगों की कहानी है, जो एक असाधारण फैसला लेते हैं और फिर पूरी फिल्म उस एक फैसले की कीमत चुकाते हुए नजर आते हैं। फिल्म का जॉनर डार्क कॉमेडी है, लेकिन इसकी भावनात्मक जड़ें बेहद मानवीय हैं। अरशद ने दोनों किरदारों को जिस सटीकता के साथ जीवंत किया, उसने सेट पर हमें भी लगातार हैरान किया।'

कब रिलीज होगी फिल्म

अभिषेक डोगरा के निर्देशन और स्टारबीम वेंचर्स लिमिटेड के बैनर तले बनी इस फिल्म में अरशद वारसी, संजीदा शेख, विजय राज, बृजेन्द्र काला, पूजा चोपड़ा, अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म 4 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'द रेवोल्यूशनरीज' में रोहित सराफ का शानदार बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन

बहुप्रतीक्षित फिल्म 'द रेवोल्यूशनरीज' का ट्रेलर रिलीज हो गया है और इसमें रोहित सराफ पूरी ताकत के साथ नजर आ रहे हैं। फिल्म में वह सचिंद्रनाथ सान्याल का किरदार निभा रहे हैं। इस किरदार के जरिए रोहित एक ऐसे दौर और भूमिका में नजर आएंगे, जिसे उन्होंने पहले कभी नहीं निभाया है। यही बात फिल्म को और खास बनाती है। रोहित ने अपने किरदार को बेहतर तरीके से निभाने के लिए अपनी बॉडी और लुक में भी शानदार बदलाव किया है। उनका बदला हुआ शारीरिक रूप और गंभीर अंदाज उनके किरदार को और ज्यादा प्रभावशाली बनाता है। ऐसा लगता है कि रोहित ने सिर्फ यह फिल्म साइन नहीं की है, बल्कि अपने अभिनय में कुछ नया और बड़ा करने का फैसला किया है। ट्रेलर में रोहित के जबरदस्त एक्शन और फाइटिंग सीन्स भी देखने को मिलते हैं। उनके एक्शन सीन काफी दमदार हैं और उनके किरदार की ताकत और जुनून को दिखाते हैं। उनकी एक्टिंग में गुस्सा, जोश और संघर्ष साफ नजर आता है। 'द रेवोल्यूशनरीज' का ट्रेलर रोहित सराफ का एक बिल्कुल नया और बदला हुआ रूप दिखाता है। यह उनके करियर के सबसे अलग और बड़े बदलावों में से एक माना जा सकता है। यह पीरियड ड्रामा उन बहादुर युवा भारतीय क्रांतिकारियों की कहानी पर आधारित है, जो मानते थे कि ब्रिटिश शासन को खत्म करने के लिए हथियार उठाकर लड़ना जरूरी था।

इंसान की सबसे ज्यादा ग्रोथ मुश्किल परिस्थिति में होती है

'सेक्रेड गेम्स', 'द ट्रायल' और 'सन ऑफ सरदार 2' जैसी सीरीज और फिल्मों में नजर आ चुकीं एक्ट्रेस कुब्रा सैत पर्दे पर जहां बिंदास किरदारों के लिए जानी जाती हैं, वहीं निजी जिंदगी में भी उन्हें खतरों से खेलना पसंद है। एडवेंचर में कुब्रा की जान बसती है, इसलिए वह कभी तंजानिया के किलिमंजारो पर्वत पर ट्रैकिंग करने पहुंच जाती हैं, तो कभी दुनिया की चौथी बड़ी नदी ब्रह्मपुत्र में लहरों से खेलने यानी रिवर राफ्टिंग करने। कुब्रा के मुताबिक, उन्हें खुद को ऐसी असहज परिस्थितियों में डालना पसंद है, क्योंकि इससे उन्हें खुद को जानने का मौका मिलता है।

एडवेंचर ट्रिप से बेहतर टीचर नहीं

बकौल कुब्रा, 'मुझे लगता है कि इंसान की सबसे ज्यादा ग्रोथ तब होती है, जब आप असहज परिस्थिति में होते हैं। अपने कंफर्ट जोन से बाहर होते हैं, इसलिए मुझे खुद को ऐसी परिस्थितियों में डालना अच्छा लगता है क्योंकि इन चीजों से मैं आगे बढ़ पाती हूं। मतलब, जब आप ऐसे ट्रिप्स पर जाते हैं, जहां आपके पास सोने के लिए बेड नहीं होता है। आप टेंट और स्लीपिंग बैग्स में सोते हैं। फिर सुबह साढ़े 7 बजे अपना पूरा बैग पैक करके आपको टेंट से बाहर निकलना है और आपकी सारी उंगलियां सारी सूजी हुई हैं। उस वक्त आप बस यही कोशिश करते हैं कि प्लीज मेरे मुंह से गाली न निकले और मैं 15 मिनट में बैग पैक कर निकल जाऊं तो जो धैर्य आपमें आता है, ये सब बहुत सीख है भाई।' कुब्रा ने आगे कहा, 'मेरा मानना है कि जब आप जीवन को ऐसे अनुभव करते हैं, तभी एक्टर बन सकते हैं। अगर हर चीज आपके साथ अच्छी रहे कि घर गए, खाना बन गया, सब काम हो गया, तो क्या ही मजा है। इसलिए मैं हर साल ऐसी ट्रिप पर जाती हूं, क्योंकि मुझे खुद को जानने का मौका मिलता है और खुद को जानने का सफर बहुत लंबा है। मुझे लगता है कि मैंने अभी शुरू किया है।'

कुब्रा सैत का परिवार और करियर

कुब्रा सैत की निजी जिंदगी की बात करें, तो वह कर्नाटक के बेंगलुरु शहर एक मुस्लिम परिवार में पैदा हुईं। उनके पिता का नाम मोहम्मद हदीद हैं और मां यास्मिन सेठ एक बिजनेसवुमन हैं। कुब्रा सैत ने मॉडलिंग से अपने करियर की शुरुआत की थी। वह दुबई की माइक्रोसॉफ्ट कंपनी में बतौर अकाउंट मैनेजर भी कार्यरत रहीं।

2011 में सलमान की फिल्म से करियर शुरू

कुब्रा ने साल 2009 में 'मिस वर्ल्ड वाइड ब्यूटी' कॉन्टेस्ट में हिस्सा लिया। 2011 में उन्होंने सलमान खान स्टारर 'रेडी' से एक्टिंग डेब्यू किया। आपको जानकर हैरानी होगी कि कुब्रा सैत को 2013 में एशिया की सबसे शानदार पब्लिक स्पीकर के अवार्ड से भी नवाजा जा चुका है।

प्रिया भवानी शंकर ने 'इरुमुड़ी' के सफर को बताया बेहद खास

दक्षिण भारतीय फिल्मों की जानी-मानी अभिनेत्री प्रिया भवानी शंकर इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'इरुमुड़ी' को लेकर चर्चा में हैं। निर्देशक शिव निर्वाण की इस फिल्म में वह अभिनेता रवि तेजा के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। वह फिल्म में कावेरी का किरदार निभा रही हैं, जो एक अच्छी पत्नी और मां है। अपने किरदार को लेकर उन्होंने कहा कि कावेरी उनके लिए बहुत खास है। प्रिया भवानी शंकर ने कहा, ''कावेरी मेरे लिए बहुत खास किरदार रहा है। जब मैंने कहानी सुनी और शिव निर्वाण की बनाई भावनाओं की दुनिया को समझा, तो मुझे ऐसी सच्ची और दमदार कहानी का हिस्सा बनकर बहुत खुशी हुई। 'इरुमुड़ी कट्टू' के रिश्तों में गर्मजोशी और भावनाएं हैं। इसी वजह से कावेरी का किरदार निभाने का सफर मेरे लिए बहुत खास रहा.' फिल्म में रवि तेजा के साथ काम करने का मौका मिलने पर भी प्रिया काफी खुश नजर आई। उन्होंने कहा, ''रवि तेजा के साथ काम करना मेरे लिए बहुत अच्छा अनुभव रहा। उनके काम करने के तरीके में सहजता है। इसकी वजह से हमारे साथ वाले सीन काफी आरामदायक और मजेदार रहे। डायरेक्टर को हर किरदार की भावनाओं को लेकर बहुत साफ समझ थी और उनके विजन के हिसाब से काम करना मेरे लिए बहुत खूबसूरत अनुभव रहा।''

उन्होंने कहा, ''इस सफर के दौरान मैंने अपने साथी कलाकारों और टीम के साथ बहुत सारी यादें बनाई। शूटिंग के दौरान कई मजेदार पल आए, खूब हंसी-मजाक हुआ और टीम के बीच ऐसी बातें भी हुई, जो मेरे लिए निजी याद बन गई।'' अभिनेत्री ने कहा, ''जब हमने आखिरकार फिल्म की शूटिंग पूरी की तो मुझे एहसास हुआ कि हम इस सफर से फिल्म के अलावा भी कितना कुछ अपने साथ लेकर जा रहे हैं। हमने बहुत सारे सीन शूट किए, हजारों यादें बनाई, और साथ में हंसी के बहुत सारे पल बिताए। यह उन यात्राओं में से एक थी, जहां जिन लोगों के साथ आप काम करते हैं, वे आपकी यादें का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन जाते हैं। यह सच में बहुत खूबसूरत सफर रहा।''

रणवीर सिंह पर फिर बोले मुकेश खन्ना वो चाहें तो विलन बन जाएं

मुकेश खन्ना ने हाल ही में अपने आइकोनिक किरदार शक्तिमान पर खुलकर बात की। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि वह बड़े पर्दे पर 'शक्तिमान' के किरदार के लिए रणवीर सिंह को सही विकल्प नहीं मानते।

'शक्तिमान' पर फिल्म बनाने की चर्चा काफी समय से चल रही है। इस फिल्म के लिए रणवीर सिंह का नाम भी सामने आया था। लेकिन मुकेश खन्ना ने इस कास्टिंग पर अपनी नाराजगी जाहिर की है। एक इंटरव्यू में जब उनसे पूछा गया कि कुछ लोग मानते हैं कि उन्हें अब 'शक्तिमान' के किरदार से आगे बढ़ जाना चाहिए, तो उन्होंने कहा, 'मैं आगे क्यों बढ़ूं? मैंने शक्तिमान बनाया है।' मुकेश खन्ना ने बताया कि उन्होंने सोनी इंडिया और सोनी इंटरनेशनल को अपनी मंजूरी के बिना फिल्म पर आगे बढ़ने से रोक दिया है। उनके मुताबिक, उन्हें पहले एक पेमेंट मिल चुकी थी, लेकिन जब मेकर्स ने कुछ ऐसी शर्तें रखीं जो उनकी शुरुआती सहमति से अलग थीं, तो उन्होंने अगला चेक रोक दिया। उन्होंने कहा, 'इसमें कोई शक नहीं कि कमर्शियल तौर पर मैं बेवकूफी कर रहा हूं। मैंने लाखों का नहीं, करोड़ों का चेक ठुकराया है।' एक्टर ने बताया कि उनके ऑफिस में मौजूद कुछ लोगों ने उन्हें सलाह दी थी कि पैसे ले लें और बाद में इस मामले को देखेंगे। किन मुकेश खन्ना ने ऐसा करने से इनकार कर दिया। उनके लिए पैसा नहीं बल्कि उनके सिद्धांत ज्यादा जरूरी हैं।

शक्तिमान को डिस्को में नाचते नहीं देख सकता

मुकेश खन्ना को इस बात की भी चिंता है कि फिल्म को मॉडर्न बनाने के नाम पर 'शक्तिमान' के किरदार में जरूरत से ज्यादा बदलाव न कर दिए जाएं। उन्होंने कहा कि कल फिल्म में शक्तिमान को डिस्को में नाचते हुए दिखाया जा सकता है और उसके बाद कुछ और भी ऐसा किया जा सकता है, जो इस किरदार की असली पहचान से मेल नहीं खाता।

शक्तिमान के लिए रणवीर की इमेज सही नहीं

मुकेश खन्ना ने बताया कि रणवीर ने करीब तीन घंटे तक उन्हें शक्तिमान के किरदार के लिए मनाने की कोशिश की थी। मुकेश खन्ना ने रणवीर की एनर्जी की तारीफ भी की। उन्होंने बताया कि रणवीर बातचीत के दौरान जमीन पर बैठ गए थे और उनकी एनर्जी देखकर उन्हें दिवंगत अभिनेता देव आनंद की याद आ गई थी। हालांकि, शक्तिमान के किरदार के लिए मुकेश खन्ना को रणवीर की इमेज सही नहीं लगती। उन्होंने कहा, 'रणवीर सिंह 'धुरंधर', 'गली बॉय' और खिलजी का किरदार निभा सकते हैं, लेकिन शक्तिमान नहीं।' मुकेश खन्ना के मुताबिक, शक्तिमान के लिए एक खास तरह की इमेज और चेहरा चाहिए। उनका मानना है कि रणवीर का चेहरा शरारती और चालाक नजर आता है, जबकि शक्तिमान का चेहरा और व्यक्तित्व पूरी तरह सकारात्मक होना चाहिए।

रणवीर को इस रोल में देखना चाहते हैं मुकेश

दिलचस्प बात यह है कि मुकेश खन्ना रणवीर सिंह को पूरी तरह फिल्म से बाहर नहीं करना चाहते। उन्होंने रणवीर को किलविश का किरदार ऑफर करने की बात भी कही थी। उनका मानना है कि रणवीर ने 'पद्मावत' में अलाउद्दीन खिलजी का किरदार जिस तरह निभाया था, उसे देखते हुए वह किलविश के रोल में अच्छे लग सकते हैं। बता दें कि किलविश 'शक्तिमान' में विलेन का किरदार है।

राजनांदगांव में उत्साह से मना खेल दिवस, जयंती पर ध्यानचंद को दी श्रद्धांजलि

शहर में नया एस्ट्रोटर्फ लगेगा, राष्ट्रीय टूनार्मेंट होगा और ध्यानचंद प्रतिमा स्थल का जीर्णोद्धार कर सौंदर्यीकरण किया जाएगा–महापौर मधुसूदन यादव

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

खेल एवं युवा कल्याण विभाग और जिला हॉकी संघ के तत्वावधान में मेजर ध्यानचंद की जयंती राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाई गई। सुबह 7:30 बजे अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम से खिलाड़ियों ने भव्य रैली निकाली, जो गौरव पथ स्थित ध्यानचंद स्मारक पहुंची। प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद स्टेडियम में संगोष्ठी हुई।

मुख्य अतिथि महापौर मधुसूदन यादव ने कहा कि ध्यानचंद का जीवन युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उनके नेतृत्व में भारत ने 1928, 1932 और 1936 ओलंपिक में स्वर्ण जीता। उन्होंने घोषणा की कि शहर में नया एस्ट्रोटर्फ लगेगा, राष्ट्रीय टूनार्मेंट होगा और ध्यानचंद प्रतिमा स्थल का जीर्णोद्धार कर सौंदर्यीकरण किया जाएगा।

अध्यक्षता कर रहे निगम आयुक्त जी.आर. मरकाम ने खिलाड़ियों को लक्ष्य बनाकर खेलने की नसीहत दी। छत्तीसगढ़ हॉकी अध्यक्ष फिरोज अंसारी ने बताया कि 1971 में राजनांदगांव आकर ध्यानचंद ने ही इसे 'हॉकी की नर्सरी' कहा था।

संगोष्ठी के बाद दो सद्भावना मैच खेले गए। पहले में खेलो इंडिया सेंटर ने राजनांदगांव इलेवन को 3–2 से हराया, वहीं बालिका वर्ग में डीएचए ने खेलो इंडिया को 4–1 से मात दी।

इस अवसर पर पार्षद छोटेलाल रामटेके, रमेश डाकलिया, भूषण साव, वीरेन्द्र भाटिया, आशा थॉमस, कोच अनुराज श्रीवास्तव, अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी मृणाल चौबे सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी उपस्थित रहे।

खास खबर

संभागायुक्त सत्य नारायण राठौर ने किया प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र नांदघाट का आकस्मिक निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

दुर्ग संभागायुक्त सत्य नारायण राठौर ने बेमेतरा जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र नांदघाट का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केन्द्र में संचालित विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया और व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया। संभागायुक्त ने ओपीडी, आईपीडी, प्रसव कक्ष, दवा वितरण कक्ष, लैबोरेटरी एवं टीकाकरण कक्ष का निरीक्षण कर मरीजों को मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने उपस्थित चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों से स्टाफ की उपलब्धता, दवाओं के स्टॉक और उपकरणों की स्थिति के बारे में पूछताछ की।

संभागायुक्त श्री राठौर ने स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देशित किया कि मरीजों को गुणवत्तायुक्त और समय पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। अस्पताल परिसर में साफ–सफाई बनाए रखने और मरीजों के साथ संवेदनशील व्यवहार करने को कहा। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रसव कक्ष का विशेष रूप से अवलोकन किया और निर्देश दिए कि प्रसूता महिलाओं की विशेष देखभाल की जाए। संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने, जच्चा–बच्चा की सुरक्षा सुनिश्चित करने और शासन की मातृत्व योजनाओं का लाभ हर हितग्राही तक पहुंचाने के लिए कहा।

आपात सेवा के लिए सतर्क रहने के निर्देश : संभागायुक्त ने कहा कि प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के लिए प्रथम उपचार केन्द्र होता है, इसलिए 24 घंटे आपातकालीन सेवा के लिए स्वास्थ्य कर्मियों को सतर्क और मौजूद रहने के निर्देश दिए। किसी भी आपात स्थिति में मरीज को तत्काल उपचार मिलना चाहिए। लैब का निरीक्षण करते हुए संभागायुक्त ने कहा कि सामान्य जांच जैसे हीमोग्लोबिन, ब्लड शुगर, मलेरिया आदि की रिपोर्ट उसी दिन मरीजों को उपलब्ध कराई जाए, ताकि उपचार में विलंब न हो। इस अवसर पर कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सुश्री पिंकी मनहर, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी–कर्मचारी उपस्थित थे।

संभागायुक्त सत्य नारायण राठौर ने किया डिजिटल क्रॉप सर्वे और गिरदावरी कार्य का निरीक्षण

संभागायुक्त सत्य नारायण राठौर ने आज बेमेतरा जिले के ग्राम पंचायत टेमरी में चल रहे डिजिटल क्रॉप सर्वे एवं गिरदावरी कार्य का स्थल निरीक्षण किया। वे सीधे किसान के खेत में पहुंचे और मैदानी स्तर पर हो रहे सर्वेक्षण कार्य का जायजा लिया। संभागायुक्त ने खेत में उपस्थित सर्वेयर एवं कृषि विभाग के मैदानी अमले से सर्वे की प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने मोबाइल एप के माध्यम से किए जा रहे डिजिटल क्रॉप सर्वे का लाइव डेमो देखा और पूछा कि किस प्रकार फसल का फोटो, खसरा नंबर और बोए गए रकबे की जानकारी दर्ज की जा रही है।

श्री राठौर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि बोए गए रकबे का वास्तविक सत्यापन किया जाए। केवल पुराने रिकॉर्ड के आधार पर नहीं, बल्कि खेत में जाकर किसान से पूछकर और फसल देखकर ही सही जानकारी दर्ज की जाए। उन्होंने कहा कि गिरदावरी का कार्य शासन की सभी कृषि योजनाओं का आधार है, इसलिए इसमें किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। संभागायुक्त ने कहा कि सर्वे का कार्य पूर्ण पारदर्शिता के साथ किया जाए और फील्ड से ही तत्काल ऑनलाइन एंट्री सुनिश्चित की जाए। इससे किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, आदान सहायता और समर्थन मूल्य पर धान खरीदी जैसी योजनाओं का लाभ लेने में आसानी होगी। उन्होंने सर्वे कार्य में गति लाने और निर्धारित समय–सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश भी दिए।

साइबर सुरक्षा का संदेश जन–जन तक पहुंचाने बेमेतरा पुलिस की विशेष अभियान है जारी

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

प्रदेशवासियों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक एवं सुरक्षित करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा 15 अगस्त से 02 अक्टूबर 2026 तक साइबर जागृति अभियान का प्रदेशव्यापी आयोजन किया जा रहा है। देश की आजादी की भावना से प्रेरित यह अभियान साइबर अपराध के विरुद्ध जनभागीदारी के माध्यम से व्यापक जागरूकता फैलाने तथा छत्तीसगढ़ को साइबर अपराध से सुरक्षित बनाने की दिशा में एक अभिनव पहल है। अभियान का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को साइबर अपराध के विभिन्न स्वरूपों, उनसे बचाव के उपायों तथा साइबर ठगी की स्थिति में तत्काल उठाए जाने वाले आवश्यक कदमों की जानकारी देना है। साइबर जागृति अभियान का प्रदेश स्तरीय शुभारंभ राजधानी रायपुर में मुख्यमंत्री महोदय विष्णु देव साय एवं उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री महोदय विजय शर्मा द्वारा किया गया। प्रदेश स्तरीय शुभारंभ के साथ ही अभियान को प्रदेश के सभी जिलों में जिला स्तर पर व्यापक रूप से संचालित किया जा रहा है।

इसी क्रम में 27 व 28 अगस्त 2026 को पुलिस अधीक्षक बेमेतरा त्रिलोक बंसल (भा.पु.से.) के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. हरीश यादव, एसडीओपी बेमेतरा भुषण एक्का, एसडीओपी बेरला श्रीमती रूचि वर्मा के मार्गदर्शन में बेमेतरा पुलिस टीम द्वारा अभियान के दूसरे सप्ताह में बैंकों, एटीएम परिसरों, बैंकिंग सेवा केंद्रों एवं अन्य वित्तीय संस्थानों के माध्यम से खाताधारकों एवं आम नागरिकों को वित्तीय धोखाधड़ी एवं UPI सुरक्षा के संबंध में जागरूक किया जा रहा है।

बेमेतरा जिले के विभिन्न थाना एवं चौकी क्षेत्रांतर्गत पुलिस टीम द्वारा थाना सिटी कोतवाली बेमेतरा से शहर के चौक, चौराहो, बस स्टैण्ड एवं बाजार में, थाना साजा से भारतीय स्टेट बैंक एटीम के पास, थाना खम्हरिया से बाजार चौक खम्हरिया, थाना बेरला से थाना परिसर बेरला में, यातायात बेमेतरा से यातायात शाखा के पास, चौकी खण्डसरा से खण्डसरा बाजार चौक, चौकी देवरबीजा से देवरबीजा के चौक, चौराहो, थाना नांदघाट से बस स्टैण्ड नांदघाट, चौकी मारो से ग्राम मोहलाईन, चौकी देवकर से नगर पंचायत देवकर, बस स्टैण्ड, थाना परपोडी से कुल्लु चौक, ग्राम जानों, परपोडी बाजार, चौकी कंडरका से ग्राम भिंभौरी, बाजार सहित जिले के सभी थाना एवं चौकी में बाजार एवं बस स्टैण्ड छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा चलाए जा रहे साइबर जागृति अभियान के तहत अभियान के दूसरा सप्ताह एटीएम परिसर सहित विभिन्न ग्रामों, साप्ताहिक बाजारों में आम नागरिकों पर विशेष फोकस करते हुए साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस दौरान नागरिकों को बताया गया कि दफ कोड स्कैन करते समय विशेष सावधानी बरतें, क्योंकि पैसे प्राप्त करने के नाम पर भेजे गए दफ कोड को स्कैन करने से खाते से राशि निकल सकती है। किसी भी अनजान व्यक्ति के कहने पर मोबाइल में स्क्रीन शेयरिंग या रिमोट एक्सेस एप्लीकेशन इंस्टॉल न करने की भी अपील की। कार्यक्रम के दौरान नागरिकों को छत्तीसगढ़ पुलिस के साइबर जागृति अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया। अभियान के लिंक अथवा दफउङ्ढ्ढ के माध्यम से सेल्फी लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट करने तथा अधिक से अधिक लोगों तक साइबर जागरूकता का संदेश पहुंचाने की अपील की गई।

छत्तीसगढ़ पुलिस के साइबर जागृति अभियान से जुड़ें और साइबर सुरक्षा का संदेश अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने में अपनी भागीदारी निभाएं। रक्षाबंधन त्योहार के साथ साइबर सुरक्षा बंधन भी मनाएँ। जागरूकता की राखी संग सेल्फी लेकर, अपनों को साइबर सुरक्षित बनाएँ। छत्तीसगढ़ पुलिस के 'साइबर जागृति अभियान से जुडें। लिंक क्लिक करें cgpolice-cyberjaagrutiabhiyaan.com या मेरी सेल्फी फ्रेम में दिए दफकोड़ को स्कैन कर 'सेल्फी लें' और अपने सोशल मीडिया में शेयर करें।

पुलिस टीम ने सभी से अपील करते हुए कहा कि दिए गए QR code को स्कैन कर अथवा link पर क्लिक कर अपनी सेल्फी लेकर उसे अपने सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जरूर अपलोड करे जिससे अधिक से अधिक लोगों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया जा सके, आप का यह छोटा सा प्रयास निश्चित ही सायबर अपराधों की रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। साथ ही नागरिकों को UPI फ्रॉड, फर्जी कॉल एवं मैसेज, OTP एवं PIN साझा करने के जोखिम, दफकोड के माध्यम से होने वाली ठगी तथा संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से होने वाले साइबर अपराधों के प्रति सचेत किया।

सार्वजनिक स्थान पर शांति भंग करने पर दो गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

एसपी त्रिलोक बंसल के निर्देशन में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए बेमेतरा पुलिस ने प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है। पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम पंडरभट्ठा में अजय दुबे उर्फ नीलू महाराज और कन्हैया दुबे उर्फ लल्ला ग्रामीणों से गाली–गलौज और विवाद कर शांति भंग कर रहे हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ने समझाइश दी, लेकिन उग्र व्यवहार जारी रहने पर दोनों के खिलाफ इठरर की धारा 170, 126, 135(3) के तहत कार्रवाई की गई।

आरोपी 40 वर्षीय अजय दुबे और 33 वर्षीय कन्हैया दुबे निवासी पंडरभट्ठा को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। कार्रवाई में सिटी कोतवाली प्रभारी सोनल ग्वाला सहित टीम की सराहनीय भूमिका रही।

स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए आयुक्त मरकाम लगातार प्रयासरत, मवेशियों को बांध रहे रेडियम पट्टी

राजनांदगांव। शहर की स्वास्थ्य सेवाओं और स्वच्छता व्यवस्था में गुणात्मक सुधार लाने के लिए नगर निगम आयुक्त जी. आर. मरकाम लगातार प्रयासरत हैं। वे रोजाना सुबह शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर सफाई व्यवस्था का जायजा ले रहे हैं। आयुक्त की इस सीधी मौजूदगी और मॉनिटरिंग से सफाई कर्मचारियों में उत्साह देखने को मिल रहा है, जिससे सड़कों पर सफाई का असर साफ नजर आने लगा है। निरीक्षण के दौरान आयुक्त मरकाम ने जी.ई. रोड सहित शहर के प्रमुख मार्गों की दोनों पटरियों पर जमी झिल्ली–पन्नी उठवाई। उन्होंने नागरिकों, होटल संचालकों और ठेला व्यवसायियों से सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने, डस्टबिन रखने और नाली व सड़कों पर अतिक्रमण न करने की समझाइश दी। उन्होंने अमले को निचली बस्तियों और जलभराव वाले क्षेत्रों में विशेष सफाई रखने के निर्देश दिए। वहीं, गौरी नगर अंडरब्रिज के पास जमा बारिश के पानी की निकासी के लिए रेलवे अधिकारियों के साथ मिलकर काम करने के निर्देश दिए। दुर्घटनाओं को रोकने के लिए निगम अमला चौक–चौराहों और मुख्य सड़कों पर आवारा घूमने वाले मवेशियों को पकड़कर कांजी हाउस भेज रहा है। सड़कों पर घूमने वाले मवेशियों के गले में रेडियम पट्टी और सींगों पर रेडियम टेप चिपकाया जा रहा है ताकि रात के समय हादसों से बचाव हो सके।

जनपद पंचायत बेरला में जल संरक्षण के लिए 10 हजार ट्रेंच सह बंधान निर्माण का लक्ष्य

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा-बेरला

जनपद पंचायत बेरला क्षेत्र में जल संरक्षण एवं जल संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए विकसित भारत की गारंटी—जी राम जी योजना के अंतर्गत विभिन्न जल संरक्षण कार्यों को प्राथमिकता के साथ कराया जा रहा है। वर्तमान वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए वर्षा जल के अधिकतम संचयन और भू–जल स्तर में वृद्धि के उद्देश्य से ग्राम पंचायतों में व्यापक स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बेरला सुश्री दिव्या ठाकुर ने बताया कि कलेक्टर बेमेतरा सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईएवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती प्रेमलता पद्माकर के निदेर्शानुसार जल संरक्षण से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके तहत सोख्ता गड्ढे, सैंड फिल्टर, पौधरोपण, वाटर हार्वेस्टिंग सहित अन्य जल संरक्षण कार्य लगातार कराए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि जनपद पंचायत बेरला क्षेत्र में वर्षा जल के संरक्षण एवं भू–जल संवर्धन के लिए लगभग 10 हजार ट्रेंच सह बंधान (SCT) निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इन कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। ट्रेंच सह बंधान के निर्माण से वर्षा जल को भूमि में रोकने और उसके भू–जल में पुनर्भरण को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी।

कार्यक्रम अधिकारी श्री अरविंद कश्यप ने बताया कि VB-G RAM-G योजना के अंतर्गत जल संरक्षण सहित विभिन्न कार्यों के संचालन से ग्रामीण श्रमिकों को बरसात के मौसम में भी ग्राम पंचायत स्तर पर ही रोजगार उपलब्ध हो रहा है। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ने के साथ ग्रामीण परिवारों को आर्थिक संबल भी प्राप्त हो रहा है।

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा VB-G RAM-G योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक उपयोगी एवं जनहितकारी कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए हैं। इनमें बालिका शौचालय, मुक्तिधाम, सैंड फिल्टर, पौधरोपण तथा जल संरक्षण एवं जल संवर्धन से जुड़े कार्य प्रमुख रूप से शामिल हैं। जनपद पंचायत बेरला क्षेत्र में प्राथमिकता वाले कार्यों को चिन्हित कर उनकी स्वीकृति एवं क्रियान्वयन की कार्यवाही लगातार की जा रही है।

निर्माण एजेंसियों, सरपंच–सचिव, तकनीकी अमले एवं ग्राम रोजगार सहायकों को निर्देशित किया गया है कि सभी कार्य गुणवत्ता के निर्धारित मानकों के अनुरूप एवं समय–सीमा में पूर्ण कराए जाएं। साथ ही ग्रामीणों को जल संरक्षण के महत्व के प्रति जागरूक करते हुए जनभागीदारी को भी बढ़ावा दिया जाए। जिला प्रशासन द्वारा आम नागरिकों से व्यक्तिगत घरों में भी जनसहभागिता से सोख्ता गड्ढों का निर्माण करने की अपील की जा रही है, ताकि वर्षा जल को अधिक से अधिक मात्रा में जमीन के भीतर पहुंचाया जा सके और भविष्य में जल संकट की स्थिति को कम किया जा सके।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बेरला सुश्री दिव्या ठाकुर ने क्षेत्र के आम नागरिकों से अपील की है कि जल संरक्षण के इस महाअभियान में सक्रिय सहभागिता निभाएं। सामुदायिक एवं व्यक्तिगत भूमि पर जल संरक्षण से जुड़े कार्यों में सहयोग करें और जल बचाएं, भविष्य बचाएं की भावना के साथ वर्षा जल की एक–एक बूंद को सहेजने में अपनी भूमिका सुनिश्चित करें।

बैठक

अवैध शराब बिक्री और अनियंत्रित पार्किंग पर चेतावनी, सीसी टीवी लगाने और संदिग्धों की सूचना देने के निर्देश

पुलिस ने होटल, ढाबा और लॉज संचालकों की ली बैठक, दिए आवश्यक निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

आगामी त्यौहारी सीजन के मद्देनजर क्षेत्र में शांति व कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए तुमड़ीबोड़ पुलिस ने सख्ती बरतनी शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन, अति. पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन एवं नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली जैन के पर्यवेक्षण में 29 अगस्त को पुलिस चौकी तुमड़ीबोड़ में क्षेत्र के होटल, ढाबा और लॉज संचालकों की बैठक आयोजित की गई।

बैठक के दौरान पुलिस ने संचालकों को किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियों में संलिप्त न होने की स्पष्ट हिदायत दी। ढाबों में अवैध रूप से शराब बेचने या लोगों को शराब पीने के लिए स्थान व सुविधा उपलब्ध कराने पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई। इसके अलावा सड़कों पर वाहनों की अनियंत्रित पार्किंग न होने देने और आवारा मवेशियों को मुख्य मार्गों पर आने से रोकने के प्रबंध करने के निर्देश दिए गए, ताकि यातायात बाधित न हो और हादसों पर रोक लगाई जा सके।

पुलिस ने सभी प्रतिष्ठानों में अनिवार्य रूप से चालू हालत में उउळश कैमरे लगाने के निर्देश दिए। साथ ही संचालकों से कहा गया कि वे अपने परिसरों में आने–जाने वाले संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों पर पैनी नजर रखें और किसी भी तरह की संदिग्ध सूचना तत्काल पुलिस को दें। तुमड़ीबोड़ पुलिस ने संचालकों से क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने में सक्रिय सहयोग की अपील की है।

ढाबा और चखना सेंटरों में शराब पिलाई तो होगी कड़ी कानूनी कार्रवाई

पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा, अति. पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर एवं एसडीओपी डोंगरगढ़ केसरी नंदन नायक के निदेर्शों के परिपालन में थाना बोरतलाव परिसर में क्षेत्र के सभी ढाबा संचालकों और चखना सेंटर दुकानदारों की अहम बैठक ली गई। बैठक के दौरान पुलिस ने ढाबा संचालकों को साफ लहजे में हिदायत दी कि अपने प्रतिष्ठानों में किसी भी व्यक्ति को शराब पिलाने या शराब पीने के लिए स्थान व सुविधा उपलब्ध न कराएं। उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा सभी ढाबों और चखना सेंटरों में अनिवार्य रूप से चालू हालत में सीसी टीवी कैमरे लगाने तथा देर रात तक दुकानें खुली न रखने के कड़े निर्देश दिए गए। पुलिस अधिकारियों ने संचालकों से कहा कि वे अपने आसपास होने वाली किसी भी तरह की संदिग्ध या असामाजिक गतिविधियों की जानकारी तुरंत बोरतलाव थाना पुलिस को दें, ताकि समय रहते अप्रिय घटनाओं को रोका जा सके। त्योहारों के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने सभी व्यवसायियों से सहयोग की अपील की है।

साजा एसडीएम ने रोका छेका अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए बैठक ली

नई दृष्टिबिंदु / साजा

ग्राम पंचायत सचिव और संबंधित विभाग के अधिकारी कर्मचारियों की बैठक जनपद पंचायत साजा सभागार में आहूत की गई, रोका छेका अभियान का गंभीरता एवं प्राथमिकता के साथ पालन सुनिश्चित करने के लिए अपने–अपने क्षेत्र में आवश्यक कार्रवाई करने और अभियान को सफल बनाने के दिशा निर्देश दिए गए।

बैठक में आवारा पशुओं पर नियंत्रण और पशुओं को खुले में विचरण से रोकने तथा संबंधित विभागों एवं ग्राम पंचायत द्वारा की जाने वाली आवश्यक कार्यवाही के संबंध में विस्तृत चर्चा और आवश्यक निर्देश संबंधित अधिकारियों को जनपद पंचायत साजा सभागार में दी गई।

अंदर की बात

-:: खुलकर ::-

यशवंत साहू, फाउंडर

भिलाई टाइम्स

भूपेश-देवेंद्र में तकरार, दर्द में भाजपाई, क्या बदल जाएंगे देव, 2 मंत्रियों ने अटकाई वेटिंग लिस्ट की फाइल...?

भूपेश और देवेंद्र में बढ़ रही तकरार...

बात 2015 की है। नगर निगम भिलाई के चुनाव में पीसीसी चीफ रहे भूपेश बघेल ने देवेंद्र यादव को मेयर की टिकट दी। चुनाव जीतकर देवेंद्र ने मेयर की कुर्सी संभाली। फिर 2018 में मेयर रहते हुए विधायक की टिकट भी देवेंद्र को भूपेश ने दिलवाई। देवेंद्र यादव दो बार विधायक बने। 2024 में लोकसभा की टिकट सीधे दिल्ली से ले आए। देवेंद्र ने बिलासपुर लोकसभा का चुनाव लड़ा। फिर क्या देवेंद्र को दिल्ली का तगड़ा कंधा मिला और उसके बाद से छग में नया गुट शुरू हुआ। अब भूपेश और देवेंद्र में तकरार इतनी बढ़ गई है कि किसी कार्यक्रम में साथ होते हुए भी साथ नहीं होते हैं। ये चीज 26 अगस्त को देखने को भी मिली। पांच बार के पार्षद रहे वशिष्ठ नारायण मिश्रा के अंतिम संस्कार में रामनगर मुक्तिधाम पहुंचे भूपेश बघेल से देवेंद्र यादव ने मुलाकात भी नहीं की। दोनों एक-दूसरे से नजरें चुराते दिखे। लोग इस बात की चर्चा करते रहे कि आखिर इतनी भी क्या बेरूखी है? यूथ कांग्रेस चुनाव की वजह से ये टकराव और भी ज्यादा देखने को मिल रहा है। कांग्रेस के ही कार्यकर्ता कह रहे हैं कि इसका भारी नुकसान चुनाव के वक्त दिखेगा। खैर समय रहते आपस में सबकुछ ठीक कर लेना चाहिए, वरना दोनों के लिए मुश्किलें बढ़ सकती है। पार्टी आलाकमान सब देख रहा है। ये बात भूलना नहीं चाहिए।

सरकार से नाराज विधायकों और पदाधिकारियों का निकला दर्द...

क्या छत्तीसगढ़ में अफसरशाही हावी है... ?, क्या भाजपा विधायकों के ही काम नहीं हो रहे ?, क्या प्रभारी मंत्रियों की नहीं चल रही है?, भाजपा कार्यकताओं में असंतुष्टि का लेवल बढ़ते ही जा रहा है। ये सब बातें सामने आई सत्ता-संगठन की 17 घंटें तक चलने वाली मैराथन बैठक में। इस बैठक में सरकार के मुखिया विष्णुदेव साय, संगठन शिल्पी क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय से लेकर मंत्री, विधायक व संगठन के पदाधिकारी। जिन्हें खुलकर बोलने के लिए कहा गया। हालांकि, बैठक शुरू होने से पहले कहा गया था यहां की बातें दरवाजे के बाहर तक भी नहीं जानी चाहिए। अंदर की बात तो ये है कि इस बैठक में अफसरशाही हावी होने का मुद्दा प्रमुख है। अधिकांश नेताओं ने यही बात कही। कुछेक तो ये भी कहने लगे कि छोटी-छोटी समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है। ग्राउंड पर मैसेज गलत जा रहा है। मंत्री चीजों को हल्के में ले रहे हैं। इसे समय रहते सुधारना होगा, वरना दिक्कत होना लाजिमी है।

क्या बदल जाएंगे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष...?

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव के बदलने की अटकलें तेज हो गई है। चर्चा इसलिए क्योंकि, हादसे के बाद से नई दिल्ली में नियमित उपचार चल रहा है। डॉक्टर उन्हें तीन-चार महीने रेस्ट के लिए कह सकते हैं। 5 सितंबर को किरण सिंहदेव छत्तीसगढ़ आ रहे हैं। ऐसी चर्चा है। तो सवाल ये है कि इस साल नगरीय निकाय चुनाव है और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के बिना ग्राउंड में ये सब कैसे संभव होगा? ये सबसे बड़ी चिंता है। ये बात भी है कि अगर प्रदेश अध्यक्ष बदलना होता तो इसका फैसला 17 घंटे तक चलने वाली बैठक में ही हो जाता। फिलहाल प्रदेश महामंत्री के भरोसे संगठन को ड्राइव करने की कोशिश की जा रही है। लेकिन काम संभल नहीं रहा है। ऐसे में कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष बनाने पर विचार किया जा रहा है। अब कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष कौन होगा? इस पर फैसला जल्द हो जाएगा। वहीं कुछ जिलों के जिलाध्यक्ष बदले जा सकते हैं। इसमें दुर्ग संभाग का एक चर्चित इलाका भी है। जहां के जिलाध्यक्ष बदले जाने की प्रबल संभावना है। बाकी, तो संगठन शिल्पी अजय जामवाल और पवन साय तो मोर्चा संभाले ही हुए हैं। चर्चा तो मंत्रियों के विभाग बदलने की भी हो रही है। कहा जा रहा है कि पीएम मोदी के जन्मदिन के बाद ही इस पर कुछ हो सकता है। यानी कि गणेश चतुर्थी के दौरान भी कुछ हो सकताा है। बहरहाल, इंतजार करना ही सही होगा।

खर्चिला होगा निकाय चुनाव, लेकिन खच कौन करेगा?

इसी साल नवंबर-दिसंबर में 15 निकायों में चुनाव होने वाले हैं। इसमें सबसे बड़ा निगम भिलाई है। उसके बाद बीरगांव, भिलाई-3 चरोदा और रिसाली निगम शामिल है। इन चार निगमों के अलावा नगर पालिका परिषद, नगर पंचायत शामिल हैं, जहां इस साल चुनाव होने वाले हैं। भाजपा ने निकायवार प्रभारी और सह-प्रभारियों का ऐलान कर दिया है। लेकिन कुछेक एक-दो को छोड़ दे तो बाकी सब प्रभारी-सह-प्रभारी कंजूस है। सूची में नाम देखने के बाद से सभी चिंतित है कि कंजूस नेताओं के भरोसे चुनाव कैसे होगा? तभी कार्यकताओं को सांसद बृजमोहन अग्रवाल की याद आ गई। बृजमोहन अग्रवाल को 2016 में चरोदा निगम का प्रभारी बनाया गया था। तब उन्होंने जो किया था, उसे सबने देखा। इस बार भी कंजूस नेताओं को देखने के बाद कार्यकताओं को बृजमोहन जैसे नेताओं की याद आ रही है। वैसे, नीलू शर्मा को भिलाई-3 चरोदा का प्रभारी बनाया है। उन्हें टास्क पूरा करना बहुत अच्छे से आता है। संगठन ने इसीलिए उन्हें चरोदा का प्रभारी बनाया है। नीलू ने अभी से काम शुरू कर दिया है। कहते हैं कि नीलू की टीम प्रभार क्षेत्र में पहले पहुंचती है। अब शानदार रिजल्ट देने की जवाबदारी नीलू शर्मा की हो गई है।

मंत्री हो तो गजेंद्र जैसा...

ॠल्ल- प्रोटेस्ट ट्रेंड में है। दिल्ली के बाद छग ऐसा राज्य होगा, जहां हर दूसरे दिन कोई न कोई जिले से ये खबर आ जा रही है कि स्कूल के बच्चों ने प्रदर्शन किया...। ताला लगाया और नारेबाजी की। बीते सप्ताह एकसाथ दुर्ग जिले के ही दो स्कूलों में स्वामी आत्मानंद स्कूल के बच्चों ने प्रदर्शन कर डाला। पेंड्रावन में तो बच्चों ने 12 घंटे तक प्रदर्शन किया। सब शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव को बुला रहे थे। प्रदर्शन वाले दिन आउट ऑफ सिटी होने की वजह से गजेंद्र मौके पर नहीं पहुंचे, लेकिन अगले ही दिन बच्चों के बीच पहुंचकर गजेंद्र ने सबका दिल जीत लिया। बच्चे भी गदगद, क्योंकि उनकी सारी डिमांड मान ली गई थी। गजेंद्र ने बच्चों संग सेल्फी ली और उसी सेल्फी कैमरे से वीडियो भी बनाया। वीडियो वायरल हुआ और प्रदेशभर में मंत्री गजेंद्र यादव की तारीफ हुई। गजेंद्र के इस क्रिएटिव वर्क के सब कायल हुए। सरकार के मुखिया तक ये बात गई तो उन्होंने पीठ थपथपाते हुए वेलडन गजेंद्र कह डाला।

आरक्षक भर्ती: दो मंत्रियों की असहमति से अटकी लिस्ट...

आरक्षक भर्ती का सेकंड वेटिंग लिस्ट आते-आते ही रह गया। गृहमंत्री विजय शर्मा तो चाहते ही थे कि सेकंड वेटिंग लिस्ट जारी हो जाए। बकायदा कैबिनेट तक लेकर गए। ताकि, सबकी सहमति से, सबके नॉलेज से सेकंड वेटिंग लिस्ट जारी हो जाए और 1600 बचे हुए पोस्ट भी भर जाए। लेकिन सरगुजा संभाग के दो मंत्रियों ने इस लिस्ट के रास्ते पर लाल फीता लगा दिया। यानी कि दो मंत्रियों की असहमति से पूरी लिस्ट अटक गई। इसका खामियाजा गृहमंत्री विजय शर्मा और पूरी सरकार को भुगतना पड़ रहा है। क्योंकि, अभ्यर्थी विजय शर्मा के कवर्धा निवास पर बैठकर धरना दे रहे हैं 9 दिनों से। इस पूरे एपिसोड के हीरो को अब विलेन के रूप में पेश कर दिया गया। सेकंड वेटिंग लिस्ट का समर्थन शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव समेत बाकी मंत्रियों ने भी किया, सिर्फ सरगुजा रेंज के 2 मंत्रियों को छोड़कर। अब सेकंड वेटिंग की फाइल सीएम के पाले में है। वे चाहे तो सेकंड लिस्ट रिलीज करा सकते हैं। सबकुछ सीएम के हाथों में है।

चंडी मंदिर रोड पर युवक की चाकू मारकर हत्या, आरोपी घंटों में गिरफ्तार

दुर्ग। सिटी कोतवाली क्षेत्र के चंडी मंदिर रोड पर गाली-गलौज के विवाद में युवक की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। पुलिस ने घटना के चंद घंटों में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार 28 अगस्त की रात करीब 10:30 बजे जीत साहू अपने साथी रतन निर्मलकर और देव चौधरी उर्फ धन्ना के साथ बाइक से जा रहे थे। सारथी मोहल्ला पोषण दुकान के पास चंडी मंदिर रोड पर कोमल ढीमर और उसके नाबालिग साथी ने उन्हें रोककर गाली-गलौज की। विवाद बढ़ने पर दोनों ने धारदार हथियार से देव चौधरी पर हमला कर दिया। सीने, पेट और जांघों पर गंभीर चोट लगने से घायल देव को ई-रिक्शा से जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। रिपोर्ट पर थाना सिटी कोतवाली में अपराध क्रमांक 466/2026 धारा 103(1), 296, 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी कोमल ढीमर (19) निवासी मठपारा, सारथी मोहल्ला को हिरासत में लिया। पूछताछ में एक विधि से संघर्षरत बालक की संलिप्तता सामने आई। दोनों के पास से हत्या में प्रयुक्त 2 धारदार हथियार जप्त किए गए हैं।

भोजली शोभायात्रा में दिखी लोधी समाज की संस्कृति और एकता

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई लोधी क्षत्रिय समाज भिलाई एवं दुर्ग की ओर से रक्षाबंधन एवं भोजली पर्व के अवसर पर प्रतिवषार्नुसार इस वर्ष भी भव्य भोजली शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा लोधी भवन कोहका से प्रारंभ होकर सिरसा रोड, आर्य नगर होते हुए शीतला तालाब पहुंची, जहां भोजली का विधिवत विसर्जन किया गया।

शोभायात्रा से पूर्व लोधी भवन एवं चौक स्थित वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण व पूजा-अर्चना की गई। रथ पर वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी की वेशभूषा में सजी बालिका ने शोभायात्रा की अगुवाई की। पारंपरिक लोधी वेशभूषा में महिलाओं एवं बालिकाओं ने सिर पर भोजली की टोकरी रखकर यात्रा में सहभागिता की। संगीत मय झांकियों के साथ करीब 40 कलाकारों ने लोक जवारा गीत, जसगीत तथा महादेव-पार्वती, हनुमान जी सहित विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक झांकियों की प्रस्तुति दी। पुरुष, महिलाएं, युवा एवं बच्चों ने हाथों में ध्वज लेकर जयकारे लगाए। युवाओं ने आतिशबाजी के साथ शोभायात्रा का उत्साह बढ़ाया।

शीतला तालाब में भोजली विसर्जन के बाद समाजजनों ने एक-दूसरे के कान में भोजली डालकर गले मिलते हुए रक्षाबंधन एवं भोजली पर्व की बधाई दी। महिलाओं ने पारंपरिक सुआ गीत प्रस्तुत कर नृत्य किया। सिर पर भोजली लेकर चलने वाली महिलाओं को पारस जंघेल ने उपहार भेंट किए। विवाह के बाद पहली बार मायके आकर भोजली लेकर तालाब तक जाने की परंपरा ह्यउजेनाह्ण के तहत पांच बेटियों को समाज अध्यक्ष उत्तम वर्मा ने विशेष उपहार देकर सम्मानित किया। अंत में प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। रामावतार चंदेल ने सामाजिक एकता एवं संस्कृति को बनाए रखने के लिए सभी समाजजनों का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में पूर्व महामंत्री छत्तीसगढ़ लोधी समाज रमेश पटेल, जिला भाजपा दुर्ग के सुरेंद्र कौशिक, लालचंद वर्मा, पार्षद महेश वर्मा, पूर्व महापौर नीता लोधी सहित समाज के उत्तम चंदेल, विशाल राम वर्मा, रामावतार चंदेल, मनीराम वर्मा, अशोक वर्मा, भगवती वर्मा, रमेश वर्मा, सुरेश कुमार जंघेल, रोहित जंघेल, जैत राम वर्मा, पारस जंघेल, पुरुषोत्तम नागपुरे, अशोक जंघेल, इंद्रजीत सिंह वर्मा, मुक्तानंद वर्मा, श्रवण वर्मा, अनीता वर्मा, गणेश कुमार वर्मा, सुमन वर्मा, द्वारिका जंघेल, संतोष कुमार जंघेल, नंदकिशोर कौशिक सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

स्व. मुकेश की 50वीं पुण्यतिथि पर सजी सुरों की महफिल 'याद-ए-मुकेश'

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

महान पार्श्वगायक स्व. मुकेश चंद्र माथुर की 50वीं पुण्यतिथि पर 27 अगस्त को कला मंदिर सिविक सेंटर में 'याद-ए-मुकेश' कार्यक्रम आयोजित हुआ। आयोजन श्रमजीवी पत्रकार कल्याण संघ, एसआरजी बीएसपी और लाइफ केयर के संयुक्त तत्वावधान में हुआ।

मुख्य अतिथि विजय बघेल ने कहा कि गीत-संगीत तनाव दूर करता है और मुकेश की दर्द भरी मखमली आवाज हिंदी फिल्म संगीत की अमूल्य धरोहर है। उनके गीत आज भी करोड़ों दिलों में जीवित हैं। उन्होंने 24 वर्षों से लगातार कार्यक्रम आयोजित करने पर आयोजकों को बधाई दी। कार्यक्रम में स्व. मुकेश के परिवार की चित्रा माथुर, डीआईजी प्रशांत ठाकुर, सीआईएसएफ कमांडेंट दीपक सावलाखिया सहित कई गणमान्य उपस्थित थे। वरिष्ठ फिल्मी कलाकार प्रदीप शर्मा ने 'जाने कहां गए वो दिन' पर जोकर का लाइव अभिनय कर राज कपूर की याद ताजा की।

'मेरी तमन्नाओं की तकदीर', 'कभी-कभी मेरे दिल में', 'इक प्यार का नगमा है', 'चंदन सा बदन' जैसे गीतों पर श्रोता देर रात तक झूमते रहे। उमेश विश्वकर्मा, संदीप राजपूत, सीमा पटेल, ज्योति कश्यप सहित 17 कलाकारों ने स्वरांजलि दी। आयोजक बीडी निजामी ने बताया कि अगले वर्ष 'याद-ए-मुकेश' की 25वीं वर्षगांठ सिल्वर जुबली के रूप में मनाई जाएगी।

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	क्र.	पाठ्यक्रम का नाम
1.	फायर टेक्नोलॉजी एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	5.	पी. जी. कोर्स व्यावसायिक सेफ्टी, स्वास्थ्य व पर्यावरण मैनेजमेंट सिस्टम
2.	इंडस्ट्रियल सेफ्टी / पी. जी. इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6.	हैल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर
3.	बी.एस.सी. इन फायर सेफ्टी	7.	सब- फायर ऑफिसर
4.	पी. जी. कोर्स फायर एवं इंडस्ट्रियल सेफ्टी	8.	सर्टिफिकेट इन फायरमैन-इंडस्ट्रियल सेफ्टी

(An Authorized Training Centre of AEERO)
फायर सेफ्टी एवं डिजास्टर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट
(मान्यता प्राप्त निजी प्रशिक्षण संस्थान)
कैंपस :- इंदिरा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग, छत्तीसगढ़
ADMISSION HELPLINE: 7697212782

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100